RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 22 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :49 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 25 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 सुख का मापदण्ड और भारतीय यथार्थ

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 17 | अंक : 036 | गाजियाबाद, शनिवार 22 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 · CBDC · Paytm · Cred · PhonePe · Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

दुबई एयर शो में तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। दुबई में प्रतिष्ठित एयर शो के दौरान शुक्रवार को भारतीय वायु सेना का स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुर्घटनाग्रश्त हो गया और दुर्भाग्य से इसमें पायलट की मौत हो गयी। भारतीय वायु सेना के प्रवक्ता ने यहां बताया कि दुबई एयर शो के दौरान वायु सेना का एक तेजस विमान दुर्घटनाग्रश्त हो गया। इस दुर्घटना में विमान के पायलट की मौत हो गयी। उन्होंने कहा कि वायु सेना को पायलट की मृत्यु पर खेद है और वह दुख की इस घड़ी में पूरी तरह शोक संतप्त परिवार के साथ है। प्रवक्ता ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन किया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार दुर्घटना दोपहर दो बजकर दस मिनट के करीब हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विमान के गिरते ही उसमें आग लग गयी और धुंए का गुब्बार उठ गया। तेजस भारत में निर्मित पहला लड़ाकू विमान है जिसे हिन्दुश्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया है। तेजस इससे पहले भी विभिन्न एयर शो में भाग लेता रहा है। यह पहला मौका है जब एयर शो में तेजस दुर्घटनाग्रश्त हुआ है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने तिरुमला में वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की

✷ वेबवार्ता. तिरूमाला ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति के आगमन पर आंध्र प्रदेश के मंत्री अनम रामनारायण रेड्डी, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बी आर नायडू, टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल और मंदिर के पुजारियों ने पारंपरिक सम्मान के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दर्शन के बाद मंदिर के पुजारियों ने राष्ट्रपति को आशीर्वाद दिया और मंदिर परिसर के अंदर रंगनायकुला मंडपम में तीर्थ प्रसाद भेंट किया। टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर. नायडू ने भी उन्हें भगवान वेंकटेश्वर का एक चित्र भेंट किया। राष्ट्रपति की मंदिर यात्रा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, वह आज दोपहर बाद हैदराबाद के लिए रवाना होंगी। राष्ट्रपति गुरुवार शाम तिरुमला पहुंची थी।

ईडी ने 22 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में पूर्व विधायक से जुड़े परिसरों की तलाशी ली

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) केरल के पूर्व निर्दलीय विधायक पी.वी. अनवर और उनके सहयोगियों से जुड़े कई स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चला रही है। तलाशी अभियान शुक्रवार सुबह शुरू हुआ। ईडी के एक अधिकारी ने कहा, 'यह छापेमारी केरल वित्तीय निगम (केएफसी) द्वारा 2015 में स्वीकृत कथित धोखाधड़ी वाले ऋणों से उत्पन्न धनशोधन की जांच का हिस्सा है।' अधिकारी ने कहा कि वे अपराध से अर्जित आय पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिससे वित्तीय संस्थान को 22.31 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। ईडी आरोपियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति, संदिग्ध बेनामी संपत्ति और रियल एस्टेट परियोजनाओं में धन की हेराफेरी के आरोपों की जांच कर रही है ताकि धन के स्रोत का पता लगाया जा सके।

बिहार विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत से मिली जीत : चिराग पासवान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बधाई देते हुए कहा कि हमारी पार्टी के प्रत्याशी जहां भी जीते हैं, वहां के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का फल है कि वे लोग जीते हैं और बिहार में प्रचंड रूप से एनडीए की सरकार बन पाई है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मीडिया से बात करते हुए कहा, धलोक जनशक्ति पार्टी और हमारे गठबंधन ने जो ऐतिहासिक जीत हासिल की है, बिहार विधानसभा चुनाव में हमारी जीत हमारे लिए सच में बहुत अहम है।

राहुल की आलोचनाः 272 लोगों में कई भाजपा सदस्य, भ्रष्टाचार के आरोपी : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के स्वोट चोरीव के आरोपों को लेकर जिन स्तथाकथितव 2च्2 प्रतिष्ठित लोगों ने उनकी आलोचना की है,उनमें से कई का संबंध भाजपा तथा आरएसएस से है और कई पर ष्टाचार के आरोप रहे हैं।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज एक्स पर एक पोस्ट में शुक्रवार को कहा कि श्री गांधी ने पूरे सबूतों और त यों के साथ भाजपा पर चुनाव आयोग के साथ मिलकर स्वोट चोरीव की बात कही थी लेकिन उस मामले को राजनीतिक महत्वाकांक्षा करार देते हुए जिन तथाकथित प्रतिष्ठित 2च्2 नागरिकों ने श्री गांधी को गलत ठहराते हुए खुला पत्र लिखा है इनमें कई लोगों पर ष्टाचार के आरोप रहे हैं और कई भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

पार्टी ने आरोप लगाया कि इन प्रतिष्ठित लोगों में यादातर का संबंध भाजपा तथा आरएसएस से है इसलिए उन्होंने लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में एकजुट होने की बजाय लोकतंत्र को कमजोर करने में लगे लोगों के हित में दिलचस्पी दिखायी है।

पार्टी ने कहा कि लगभग 2च्2 स्प्रतिष्ठितव आवा ें अचानक सामने आकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साध रही हैं, सि ं इसलिए क्योंकि उन्होंने सबूतों के साथ देशव्यापी वोट चोरी का पर्दा ाश करने की हिम्मत कर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के सिंहासन की नींव हिला दी है।

कांग्रेस ने सवाल किया कि इन तथाकथित प्रतिष्ठित लोगों ने श्री गांधी के दावों के खिलाफ ही आवाज क्यों उठाई और इस मामले में पेश स्वोट चोरीव के स्पष्ट सबूतों को न रअंदा क्यों किया है।

पार्टी का कहना है कि इन तथाकथित प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों में कुछ विवेकानंद ाउडेशन और इंडिया ाउडेशन से जुड़े हैं। इनमें से कई पर ष्टाचार के गंभीर आरोप रहे हैं लेकिन आज भाजपा से जुड़ते ही सब कुछ सा हो सकता है।

प्रधानमंत्री जोहान्सबर्ग पहुंचे, जी-20 लीडर्स समिट में लेंगे हिस्सा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन दिवसीय दक्षिण अ ीका दौरे के क्रम में शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुंचे। यहां उनका गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया। वह दक्षिण अ ीका की - र से आयोजित होने वाले स्जी-20 लीडर्सव समिट में हिस्सा लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी सा ा करते हुए लिखा कि जी-20 शिखर सम्मेलन से संबंधित कार्यक्रमों के लिए जोहान्सबर्ग पहुंच गया हूं। प्रमुख वैश्विक मु ों पर विश्व नेताओं के साथ उपयोगी चर्चा की आशा है। हमारा ध्यान सहयोग को मजबूत करने, विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने पर रहेगा।

स्जी-20 लीडर्सव समिट का आयोजन जोहान्सबर्ग में होगा। यह विकासशील देशों में आयोजित होने वाला लगातार चौथा जी20 समिट होगा। समिट में प्रधानमंत्री मोदी स्जी-20वएजेंडा पर भारत का दृष्टिकोण पेश करेंगे। उनके समिट के तीनों सत्रों में संबोधित करने की उम्मीद है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक संदेश में कहा, धमैं 21-23 नवंबर तक रिपब्लिक ऑफ साउथ अ ीका जा रहा हूं। मैं सिरिल रामफोसा (दक्षिण अ ीकी राष्ट्रपति) के बुलावे पर जोहान्सबर्ग में साउथ अ ीका की प्रेसीडसी में हो रहे 20वें स्जी-20 लीडर्सवसमिट में शामिल होऊंगा।ई उन्होंने कहा कि यह एक खास समिट होगा, क्योंकि यह अ ीका में होने वाला पहला जी-20 समिट होगा। 2023 में जी-20 की भारत की प्रेसीडसी के दौरान अ ीकन यूनियन जी-20 का मेंबर बना था। यह समिट दुनिया के खास मु ों पर बात करने का एक मौका होगा।

उन्होंने कहा, धमैं समिट में स्वसुधैव कुटम्बकमव और स्एक धरती, एक परिवार और एक भविष्यवके हमारे विजन के हिसाब से भारत का नजरिया पेश करूंगा। मैं पार्टनर देशों के लीडर्स के साथ बातचीत और समिट के दौरान होने वाले छठे स्आईबीएसए समिटवमें हिस्सा लेने का इंतजार कर रहा हूं। इस विजिट के दौरान, मैं साउथ अ ीका में रहने वाले प्रवासी भारतीयों के साथ अपनी बातचीत का भी इंतजार कर रहा हूं।ई

इस साल के जी-20 की थीम स्एकजुटता, समानता और सस्टेनेबिलिटीव है, जिसके जरिए साउथ अ ीका ने भारत और ब्राजील में हुए पिछले आयोजनों के नतीजों को आगे बढ़ाया है।

श्रम संहिता आजादी के बाद के सबसे प्रगतिशील सुधारों में से एक : मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार श्रम संहिताओं के लागू होने का स्वागत करते हुए इसे श्रमिकों के लिए आ ादी के बाद से सबसे बड़े और प्रगतिशील सुधारों में से एक बताया है। श्रम संहिताओं के शुक्रवार से प्रभावी होने के बाद श्री मोदी ने कहा कि ये सुधार श्रमिकों को मजबूती प्रदान करते हैं और कानून के अनुपालन को काफी आसान बनाने के साथ स्व्यापार सुगमता समें बढ़ावा देते हैं।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि ये चारों संहिता सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर म दूरी, सुरक्षित कार्यस्थल और लोगों विशेष रूप से नारी शक्ति तथा युवा शक्ति के लिए फायदेमंद अवसरों की म बूत नींव का काम करेंगी।

उन्होंने कहा कि ये सुधार भविष्य के लिए एक इकोसिस्टम बनाएंगे जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और देश की आर्थिक वृद्धि को म बूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनसे रोजगार को बढ़ावा मिलेगा, उत्पादकता ब ेगी और देश की विकसित भारत की - र बढ़ने की यात्रा में तेजी आयेगी।

श्री मोदी ने पोस्ट में कहा, ई श्रमेव जयते! आज, हमारी सरकार ने चार लेबर कोड लागू किए हैं। यह आ ादी के बाद से सबसे बड़े और आगे बढ़ने वाले लेबर-- रिएंटेड सुधारों में से एक है। यह हमारे वर्कर्स को बहुत म बूत बनाता है। यह कम्प्लायंस को भी काफी आसान बनाता है और स्ई ऑ डूइंग बि नेसवको बढ़ावा देता है।ई

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा है कि चार श्रम संहिताएं- वेतन संहिता 201ज, औ ोगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास् य एवं कार्यदशा संहिता 2020 आज से प्रभावी होंगी। इनके लागू होने से 2ज मौजूदा श्रम कानूनों में बदलाव होगा जिससे श्रमिकों के कल्याण को बढ़ावा मिलेगा।

डा. अंजू राठी राणा 23 वें विधि आयोग की सदस्य सचिव नियुक्त

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। भारतीय विधि सेवा की अधिकारी और विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधि मामलों के विभाग में सचिव डा. अंजू राठी राणा को 23 वें विधि आयोग का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। उनकी नियुक्ति कार्यभार संभालने के दिन से प्रभावी मानी जायेगी। इसके अलावा समिति ने भारतीय विधि सेवा के अधिकारी डा. राजीव मणि जो अभी विधि और न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग में सचिव हैं को विधि विभाग के सचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है।

समिति के अन्य निर्णयों में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नीरज मित्तल को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति उनके कार्यभार संभालने के दिन से प्रभावी मानी जाएगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय में सचिव भूमि संसाधन विभाग मनोज जोशी को रसायन और उर्वरक मंत्रालय में फार्मास्युटिकल विभाग में सचिव नियुक्त किया गया है। एक अन्य निर्णय में प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव अतीश चंद्रा को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में विशेष कार्य अधिकारी नियुक्त किया गया है।

केंद्र का यह दावा कि ईसीआई पर चर्चा नहीं कर सकते, संसद के अधिकारों का उल्लंघन है : ओ'ब्रायन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक - ब्रायन ने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार का यह दावा करना कि सांसद निर्वाचन आयोग पर चर्चा नहीं कर सकते, संसद के अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने आगामी शीतकालीन सत्र में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) पर चर्चा कराये जाने की मांग उठाई है।

डेरेक - ब्रायन ने बुधवार रात स्ब्लॉगपोस्टव में कहा कि पिछले दो सत्रों में विपक्षी दलों ने चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए 100 से अधिक नोटिस दिए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का रवैया चर्चा के नियम या नोटिस की शब्दावली को लेकर अड़ियल नहीं बल्कि लचीला है।

टीएमसी नेता ने सवाल किया, स्नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने स्आम चुनावों के च4 वर्ष भारत की चिरस्थायी लोकतांत्रिक भावना का उत्सवव शीर्षक वाले वाले नोटिस पर चर्चा क्यों नहीं की क- ब्रायन ने कहा कि निर्वाचन आयोग का बजट संसद की मंजूरी के अधीन है, इसलिए संसद को आयोग की कार्यप्रणाली पर चर्चा करने का पूरा अधिकार है।

उन्होंने कहा कि बजट और मानसून सत्रों के दौरान मोदी सरकार ने यह स्बहानावबनाकर इस मु े पर चर्चा कराने से मना कर दिया था कि संसदीय नियम संवैधानिक संस्थाओं पर बहस की अनुमति नहीं देते।

- ब्रायन ने कहा, स्संसद में पहले भी निर्वाचन आयोग पर चर्चा हुई है। सरकार का यह दावा करना हास्यास्पद है कि स्संसद में (ईसीआई) पर चर्चा नहीं की जा सकतीव, इसके पहले दिसंबर, 2023 में ही लोकसभा और रा यसभा में चुनाव निकाय पर कुल मिलाकर सात घंटे तक चर्चा की गई थी।ई

केरल और यूपी में हो रहे एसआईआर पर चुनाव आयोग को 'सुप्रीम' नोटिस, 26 नवंबर को अगली सुनवाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केरल और उत्तर प्रदेश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर उठते विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले पर अगली सुनवाई 2प्र नवंबर को होगी।

याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया चुनाव आयोग द्वारा लागू की जा रही वह कवायद है जिसके तहत मतदाता सूची की गुप्त तरीके से पहचान और सत्यापन किया जा रहा है। इस प्रक्रिया को लेकर कानूनी और नैतिक दोनों श्तरों पर सवाल खड़े हुए हैं और इसी को चुनौती देते हुए कई याचिकाए सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं।

केरल सरकार, रा य की राजनीतिक पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और अन्य की तरफ से दायर याचिका में एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोकने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि केरल में स्थानीय निकाय चुनाव की अधिसूचना ज और 11 दिसंबर के लिए पहले ही जारी की जा चुकी है। ऐसे में इस दौरान एसआईआर की प्रक्रिया चलाना न तो व्यावहारिक है और न ही निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था के अनुकूल है।

याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा कि सभी सरकारी स्कूलों के शिक्षक चुनाव की ूटी में व्यश्त हैं, ऐसे में उनसे एसआईआर का कार्य करवाया जाना संभव नहीं है।

केरल सरकार ने याचिका में यह भी कहा था कि लोकल बॉडी इलेक्शन के लिए सरकार को 1 लाख च्प्र हजार से यादा सरकारी और क्वासी-गवर्नमेंट कर्मचारियों और प्रं हजार सिक्योरिटी स्टाफ चाहिए। पिटीशन में कहा गया है कि एसआईआर के तहत 25,प्रप्रं और अधिकारियों की जरूरत है, जिनमें से कई ट्रेंड इलेक्शन स्टाफ के उसी लिमिटेड पूल से लिए गए हैं।

केरल पंचायत राज एक्ट, 1जज4 और केरल म्युनिसिपैलिटी एक्ट, 1जज4 के तहत कानूनी डेडलाइन का जिक्र करते हुए रा य सरकार की अर्जी में कहा गया कि 21 दिसंबर से पहले एलएसजीआई चुनाव पूरे करना कानूनी तौर पर जरूरी है। साथ ही एसआईआर कराने से एडमिनिस्ट्रेशन पर दबाव पड़ेगा और चुनाव आसानी से होने पर बुरा असर पड़ेगा।

सरकार के फैसले के कारण व्यापारियों पर आया संकट : अखिलेश यादव

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सरकार कारोबारियों को परेशान कर रही है। इनके कारण व्यापारियों पर संकट आया है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दाल मंडी के व्यापारी आए हैं। सरकार के फसले की वजह से व्यापारियों पर संकट आया है। यह पॉलिटिकल डिमोलिशन है, क्योंकि वो वहां से चुनाव नहीं जीत पा रहे हैं। भाजपा ने वाराणसी को क्योटो बनाने का दावा किया था। लोगों को परेशान कसे किया जाए, इस पर काम हो रहा है। पॉलिटिकल प्रोजेक्ट के लिए डिवाइड एंड रूल की नीति अपनाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार की नजर अब दालमंडी पर है। एक दुकान बनाने में जमाने लग जाते हैं ये लोग पल भर में इसे तोड़ना चाहते हैं। भाजपा की बहुत संकीर्ण सोच है। ये साजिश कर रही है। ये चौड़ीकरण के नाम पर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। इनकी सोच बहुत नकारात्मक है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की नीतियों ने प्रदेश में ऐसा माहौल बना दिया है कि लोग खुलकर कारोबार तक नहीं कर पा रहे। धइनकी नीति है कि लोगों को इतना डरा दो कि वो अपनी बात न कह सकें। क्या कोई सरकार ऐसा करती है हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है।ई

अखिलेश ने कहा कि भाजपा जिस योजना पर काम कर रही है वह धहेरिटेज संरक्षणई नहीं बल्कि राजनीतिक बदले की भावनाई का नतीजा है। उन्होंने कहा, धभाजपा वहां से लगातार हारती आई है, इसलिए यह कार्रवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अधिकारियों के रिए कारोबारियों पर दबाव बना रही है। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि धमहराजगंज में जिस तरह से डिमॉलिशन हुआ, समय आने पर उसकी वसूली अधिकारियों से कराई जाएगी।ई

भारत ने गुपचुप खोला चीनी नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत ने दुनियाभर में रहने वाले चीनी नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा खोला दिया है। हालांकि, इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रिपोर्ट ने मामले से जुड़े लोगों के हवाले से बताया कि इस हफ़्ते की शुरुआत में भारतीय दूतावासों और वाणि य दूतावासों में चीन के नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा खोल दिए गए है। चीनी नागरिक तमाम देशों के भारतीय मिशनों और वाणि य दूतावासों से आवेदन कर रहे हैं।

इससे पहले भारत ने इस साल जुलाई में चीनी नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा दोबारा से शुरू किया। हालांकि, तब वे सिर्फ बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास और शंघाई, गुआंग ेउ, हांगकांग स्थित वाणि य दूतावासों में आवेदन कर सकते थे। अब दुनियाभर से आवेदन कर सकेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, पर्यटन वीजा जारी करने की शुरूआत तब हुई, जब हाल में दोनों देशों ने संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्माण करने के लिए कई स्जन-केंद्रित कदमोंवपर सहमति व्यक्त की है। अक्टूबर में दोनों देशों के बीच उड़ानें शुरू करने का निर्णय लिया गया था, जो पिछले 5 साल से बंद थी।

पहली उड़ान ज नवंबर को शंघाई से नई दिल्ली पहुंची थी, जबकि 2प्र अक्टूबर को कोलकाता से गुआंग ेउ के बीच इंडिगो की उड़ान रवाना हुई थी। जून 2020 में पूर्वी ल ाख की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच घातक ड़प के बाद

भाजपा नेता रोहित रवि ने भरवाए विशेष गहन पुनरीक्षण

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आ गभ्ई.आर) कार्यक्रम के तहत भाजपा नेता रोहित रवि ने नगीना विधानसभा के भाग संख्या 1प्र0 एवं 1प्रं में अभियान चलाकर लगभग प्र0 लोगों को जागरुक कर उनके विशेष गहन पुनरीक्षण(एस.आई.आर) प्रपत्र भरवाएत्र इस अवसर पर भाजपा नेता रोहित रवि ने बताया कि वह इस कार्यक्रम को लेकर जागरूकता अभियानचला रहे हैं।जिसके अंतर्गत कार्यक्रम संबंधी सही जानकारी विधानसभा वासियों को दी जा रही है एवं आवश्यक मदद की जा रही है। इस अवसर पर भाजपा नेता रोहित कुमार रवि,नरेश सिंह, बाबूराम सिंह,सीताराम सिंह, सुनील कुमार,प्रकाश सिंह,वीरेंद्र कुमार,मोनू कुमार, शुगम सिंह, आकाश कुमार,संदीप रवि,रविंद्र सिंह,अमन कुमार,बलवीर सिंह, मीना देवी,संध्या देवी,जय कौर एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहेत्र

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर विशाल एकता यात्रा निकाली गई

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर क्षेत्र

में एकता और राष्ट्रभावना का अद्वितीय संगम देखने को मिला। ग्राम फुलसंदा से विधायक - मकुमार के नेतृत्व में विशाल एकता यात्रा निकाली गई।, जो नगर में भव्य स्वागत के बीच एसएनएसएम इंटर कॉलेज पहुंचकर संपन्न हुई। प्राप्त समाचार के अनुसार यात्रा शुक्रवार की सुबह फुलसंदा आश्रम से शुरू हुई। गांव सीकरी बुजुर्ग, फतेहपुर, नहटौर डिग्री कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, पीएचसी और ।लू चौराहे पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। समापन स्थल एसएनएसएम इंटर कॉलेज में आयोजित जनसभा में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग मंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने 5प्र5 रियासतों को जोड़कर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि यदि पंडित नेहरू के स्थान पर पटेल को प्रधानमंत्री बनाया जाता, तो भारत बहुत पहले विकसित राष्ट्र बन चुका होता। मंत्री ने कहा कि 1ज्4च की ऐतिहासिक भूल को देश ने 2014 में सुधार लिया है और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सशक्त होकर विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष तिलकराज सैनी, ब्लॉक प्रमुख नहटौर राकेश कुमार, ब्लॉक प्रमुख हल्दौर बिजेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष वैभव गोयल, दर्पण रावल, दीप सौरभ, शोभित त्यागी, सिद्धांत जैन सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, छात्र-छात्राएं और नागरिक मौजूद रहे।

तीन चोरों ने गली में खड़ी कार के पहिये, बैटरी पानी की मोटर चुराने का किया प्रयास

जाग होने पर बिना नंबर की बाइक छोड़कर हुए फरार, पीछा करने पर फेंके पत्थर

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में बिना नंबर प्लेट बाइक सवार तीन चोरों ने गुरुवार तड़के गली में खड़ी लोगों के कार के पहिये और बैटरी चोरी करने का प्रयास किया। लोगों के एकत्र होने पर चोर पत्थर फेंकते हुए बाइक और रॉड को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। शांति नगर कॉलोनी की गली नंबर चार में गुरुवार तड़के बिना नंबर प्लेट की बाइक पर तीन चोर पहुंचे। गली निवासी कुणाल ने बताया कि चोरों ने घर के बाहर लगे सबमर्सिबल के तार काटकर पानी की मोटर चुराने के साथ गली में खड़ी कार की बैटरी और पहिये चुराने का प्रयास किया। गली में शोर होने पर जाग हो गई। आरोप है कि लोगों के घर से बाहर निकलने पर चोरों ने पत्थर फेंके और चिल्लाकर गोली मारने की धमकी दी। लोगों को एकत्र होता देख चोर बाइक और लोहे की रॉड छोड़कर फरार हो गए। लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। बाइक और लोहे की रॉड पुलिस को सौंप दी। लोगों का आरोप है कि एक व्यक्ति ने दोपहर करीब चार बजे गली में स्वयं को डिलीवरी बॉय बताकर घर में मौजूद महिलाओं को परेशान किया। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है।

शिवकुमार ने डाला दिल्ली में डेरा

सीएम पद छोड़ने को तैयार नहीं सिद्धारमैया; कर्नाटक में फिर होगा 'नाटक'

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के अपने पद पर ढाई साल पूरा करने के बाद कर्नाटक में सियासी गहमागहमी बढ़ गई है। कहा जाता है कि विधानसभा चुनाव के परिणाम पक्ष में आने के बाद कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच 2.5-2.5 साल का फॉर्मूला दिया था। मतलब यह कि बारी-बारी से दोनों नेता मुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। हालांकि सिद्धारमैया ने अपना इस्तीफा अब तक नहीं सौंपा है और ना ही वह इसके लिए तैयार दिख रहे हैं। इसके बाद डीके शिवकुमार ने पार्टी आलाकमान पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। वह उनके प्रति वफादार एक मंत्री और कुछ विधायकों के साथ पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए नई दिल्ली पहुंच गए हैं।

डीके शिवकुमार के साथ कर्नाटक के मंत्री एन चेलुवरयस्वामी दिल्ली पहुंचे हैं। इसके अलावा विधायक इकबाल हुसैन, एच सी बालकृष्ण और एस आर श्रीनिवास भी गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को 12 और विधायकों के दिल्ली पहुंचने की संभावना है।

डीके शिवकुमार के वफादारों का दावा है कि 2023 में कांग्रेस की जीत के बाद 'रोटेशन ऑफ चीफ मिनिस्टर' फॉर्मूले पर सहमति बनी थी। इस फॉर्मूले के तहत सिद्धारमैया के ढाई साल पूरे होने के बाद डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाना है। इससे पहले लगभग एक दर्जन एमएलसी ने भी दिल्ली में डेरा डाला था और कांग्रेस महासचिवों से मुलाकात की थी।

जब डीके शिवकुमार से इस मामले में विधायकों के दिल्ली जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह इससे अनजान हैं और उनकी तबियत ठीक नहीं है। हालांकि, मुख्यमंत्री पद पर सिद्धारमैया के हालिया बयान पर उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात की बहुत खुशी है। किसी ने न नहीं कहा है। किसी ने यह सवाल नहीं किया है कि वह मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। हमारी पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में काम करने की जिम्मेदारी दी है। हम सब मिलकर काम कर रहे हैं। '

चामराजनगर में एक सभा को संबोधित करते हुए सिद्धारमैया ने स्पष्ट संकेत दिया कि वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी स्थिति शुरुआत से ही मजबूत रही है और भविष्य में भी ऐसी ही बनी रहेगी। उन्होंने अपनी पिछली चुनौतियों को याद करते हुए कहा, 'जब मैं पहली बार वित्त मंत्री बना तो एक अखबार ने लिखा था - यह सिद्धारमैया सौ भेड़ें भी नहीं गिन सकता, कर्नाटक का वित्त मंत्री कैसे काम करेगा। मैंने इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। मैंने 16 बजट पेश किए हैं। अगला 17वां बजट मैं ही पेश करूंगा।' यह बयान रोटेशन की अटकलों को सीधे तौर पर खारिज करने जैसा माना जा रहा है। डीके शिवकुमार के भाई और पूर्व सांसद डी के सुरेश ने कहा कि सिद्धारमैया कभी अपने वादों से पीछे नहीं हटते हैं। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या सिद्धारमैया शिवकुमार से किया वादा निभाएंगे, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। सुरेश ने कहा कि उनके भाई डीके शिवकुमार ने जो कुछ भी जरूरी था, वह पार्टी के वरिष्ठों को बता दिया है। उन्होंने कहा, 'अब यह मामला पार्टी, उसके नेतृत्व, ‹ढ्ढष्ट अध्यक्ष और राहुल गांधी के फैसले पर छोड़ दिया गया है। '

गाजियाबाद में तुलसी निकेतन योजना नए सिरे से होगी विकसित

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद के तुलसी निकेतन योजना के पुनर्विकास की प्रक्रिया तेज हो गई है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) और नेशनल बिल्डिंग्स कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन (एनबीसीसी) के बीच समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने के प्रस्ताव को आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा, जहां से स्वीकृति मिलने के बाद एमओयू साइन कर लेआउट तैयार होगा। फिर जर्जर फ्लैट की जगह नए सिरे से फ्लैट तैयार होंगे, जिनका आवंटियों को फायदा होगा।

जीडीए वर्ष 1989-90 में 7.83 हेक्टेयर क्षेत्रफल में तुलसी निकेतन योजना लाया था, जिसमें 2004 ईडब्ल्यूएस और 288 एलआईजी बनाए गए। कुल 2,292 मकानों में 60 दुकान भी हैं। यहां 20 हजार से अधिक आबादी रहती हैं। मकानों की हालत काफी खराब होने के कारण दीवारों का प्लास्टर गिरने की कई बार घटनाएं हो चुकी हैं।

इस समस्या को दूर करने के लिए प्राधिकरण ने यहां पुनर्विकास के तहत बहुमंजिला इमारत बनाने की योजना तैयार की, जिसके लिए क्षेत्र का सर्वे भी कर लिया गया है। वहीं, पिछले दिनों में एनबीसीसी की टीम ने जीडीए अधिकारियों को तुलसी निकेतन के जर्जर फ्लैट को तोड़ने के बाद यहां बहुमंजिला फ्लैट के निर्माण के मॉडल को लेकर प्रजेंटेशन भी दिया था, जो जीडीए को पसंद आया। अब जीडीए एनबीसीसी के साथ एमओयू हस्ताक्षर करेगा, जिसके लिए इसका प्रस्ताव आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। बोर्ड की स्वीकृति मिलते ही दोनों के बीच एमओयू साइन होगा, जिसके बाद इसका लेआउट तैयार कर निर्माण कार्य भी शुरू किया जाएगा। अधिकारियों का साफ कहना है कि इस योजना का मकसद पैसे कमाना बिल्कुल नहीं है। यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के उस विजन पर आधारित है, जिसका लक्ष्य है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के सबसे गरीब तबके तर पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण नहीं चाहेगा कि इस योजना में रह रहे किसी भी परिवार को बेघर किया जाए। पुराने लोगों को भी आधुनिक सुविधाओं वाले रहने लायक नए आवास दिए जाएंगे। एनबीसीसी इस प्रोजेक्ट पर दो चरणों में काम करेगा। अधिकारी बताते हैं कि एमओयू साइन होने के बाद पहले चरण में एनबीसीसी इंडिया अगले आठ हफ्ते के भीतर जीडीए को एक शुरुआती रिपोर्ट सौंपेगी, जिसमें देखा जाएगा कि यह प्रोजेक्ट कैसे और कितनी आसानी से किया जा सकता है। दूसरे चरण में पहली रिपोर्ट के बाद काम को आगे बढ़ाने के लिए पूरी डीपीआर तैयार की जाएगी। आलोक रंजन, प्रभारी मुख्य अभियंता जीडीए, ''तुलसी निकेतन योजना के फ्लैट जर्जर हो चुके हैं। ऐसे में इनका रीडेवलपमेंट होगा।

अजित पवार की एनसीपी को भाजपा की फिर से दो टूक

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता आशीष शेलार ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी आने वाले नगर निगम चुनावों में नवाब मलिक के नेतृत्व में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी और धन शोधन मामले के आरोपी पूर्व मंत्री का समर्थन भी नहीं करेगी। शेलार ने संवाददाताओं से बातचीत में यहां कहा, ''हम नवाब मलिक का समर्थन नहीं कर सकते हैं और हमारा यही रुख पिछले साल विधानसभा चुनावों में भी था। हम अब भी इस पर अटल हैं, और भविष्य में भी हमारा रुख यही रहेगा।''

उन्होंने कहा, ''यह मलिक के बारे में नहीं, बल्कि उनके खिलाफ लगे गंभीर आरोपों के बारे में हैं। जब उनके खिलाफ हसीना पारकर के साथ संबंध होने के गंभीर आरोप लगे हैं तो ऐसे में हम अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं कर सकते।'' यहां की एक अदालत ने हाल में दाऊद इब्राहिम के गिरोह की गतिविधि से जुड़े धन शोधन से संबंधित मामले में मलिक के खिलाफ आरोप तय किए हैं। भाजपा की यह टिप्पणी उसके बाद आयी है।

राकांपा के एक नेता ने संपर्क करने पर भाजपा की इस आलोचना को अधिक तवज्जो नहीं हुये कहा कि मलिक को दो महीने पहले ही मुंबई के लिए चुनाव समिति का प्रमुख बनाया गया था और पार्टी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। नेता ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, ''हमारी राजनीति किसी पर निर्भर नहीं है ।'' उन्होंने कहा कि पार्टी ने उम्मीदवारों से आवेदन मांगा है और बाद में तय करेगी कि वह कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उप मुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा, भाजपा और एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के साथ प्रदेश में सत्तारूढ़ महायुति का हिस्सा है। मलिक कई बार विधायक रह चुके हैं। वह अविभाजित राकांपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष थे। इसके बावजूद, कुछ इलाकों को छोड़कर, पार्टी की मुंबई में कभी कोई खास मौजूदगी नहीं रही। उन्होंने पिछले साल शिवाजीनगर-गोवंडी सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन समाजवादी पार्टी उम्मीदवार से हार गये थे।

बिहार की हार से आईएनडीआईए में तनाव

अभी बचा है यूपी का चुनाव, कांग्रेस की कप्तानी को चुनौती

पटना, एजेंसी।
बिहार चुनाव में हार का सबसे बड़ा असर आईएनडीआईए गठबंधन पर पड़ता नजर आ रहा है। कहा जा रहा है कि गठबंधन में अंदरूनी टूट हो सकती है। वहीं, कुछ दल अलग होने का भी ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। कई दल खुलकर सवाल उठा रहे हैं। बिहार में महागठबंधन सिर्फ 35 सीटों पर सिमट गया, जिसमें आईएनडीआईए गठबंधन की अगुवाई करने वाली कांग्रेस 6 सीटों पर ही सीमित रह गई। पार्टी ने कुल 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

गठबंधन की अगुआई को लेकर तृणमूल लगातार कांग्रेस को चुनौती दे रही है। तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, शिवसेना (यूबीटी) और आम आदमी पार्टी मिलकर संसद में कई बार स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता दे चुके हैं। इससे भी

लोकसभा में 99 सांसदों के बावजूद गठबंधन के अंदर कांग्रेस का दबदबा कम हुआ है। रणनीतिकार मानते हैं कि आईएनडीआईए गठबंधन के घटकदलों को सीट बंटवारे को लेकर आपसी समझ पैदा करनी होगी। ऐसा नहीं होता है तो वर्ष 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों पर इसका असर पड़ेगा। क्योंकि, कांग्रेस तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में दूसरी पार्टियों के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ती है। वहीं, 2027 में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और गुजरात में कांग्रेस का भाजपा से सीधा मुकाबला होगा, पर इन चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के लिए पार्टी को गठबंधन वाले राज्यों में खुद को साबित करना होगा। पार्टी इन चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करती है, तो वह सीधा मुकाबले वाले राज्यों में भाजपा को हरा सकती है।

गीतानंद महाराज की 21वीं पुण्यतिथि 23 को गोविंदाचार्य, कुलश्रेष्ठ एवं नामी धर्माचार्य भाग लेंगे है

✷ **एनसीआर टुडे. मथुरा** ✷

भारतीय जनता पार्टी के थिंकटैंक एवं महामंत्री संगठन रहे केएन गोविंदाचार्य, हाईकोर्ट के जज रहे एस एस कुलश्रेष्ठ एवं सुविख्यात धर्माचार्य ब्रह्मलीन राष्ट संत गीतानंद जी महाराज को पुष्पांजलि देने के लिये वृंदावन आयेंगे। राष्ट्र संत गीतानन्द जी महाराज की 21वीं पुण्यतिथि वृंदावन के गांधी मार्ग पर स्थित गीता आश्रम में 23 नवंबर को भव्यता के साथ मनाई जायेगी।

गीतानंद जी महाराज कारगिल युद्ध में प्रधानमंत्री कोष में 11 लाख एवं कोविड के दौरान भी उनके ट्रस्ट द्वारा 11 लाख पीड़ितों की सहायता के लिए दान देने से देश भर में चर्चित हुए उन्होंने कहा है संत राष्ट्र सेवा में भी पीछे नहीं रहते मुमुक्षु मंडल व गीता आश्रम वृन्दावन के प्रमुख महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी अवशेषानन्द महाराज ने बताया कि इस भव्य आयोजन में अमेरिका, इंग्लैंड, कनाडा आदि देशों में रहने वाले महाराजश्री के शिष्य-अनुयायी बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

इस अवसर पर हजारों साधुओं को तथा जरूरतमंदों को ऊनी वस्त्र-कंबल आदि दिये जायेंगे। 23 नवंबर रविवार की सुबह 10 बजे से 11.30 तक श्रद्धांजलि सभा होगी। उसके बाद 11.30 बजे से भंडारा शुरू हो जायेगा। डॉ. स्वामी अवशेषानंद ने बताया कि ब्रह्मलीन संत गीतानन्द महाराज ने अपने जीवन के आखिरी समय जनहितकारी कार्यों से समाज के प्रत्येक वर्ग की मदद करने का प्रयास किया था।

उत्तर भारत के वे ऐसे महान संत थे जो घट घट में भगवान के दर्शन करते थे तथा जिनका कार्य क्षेत्र उनके द्वारा देश के विभिन्न भागों में स्थापित किए गए आश्रमों के साथ आश्रम के बाहर भी था। उनकी आराधना का मूल मंत्र था 'प्रभु तुम हरौ जनन की पीर''।

वे ऐसे महान बिरले संत थे जिन्हें गीता न केवल कंठस्थ थी बल्कि गीता को उन्होंने अपने जीवन में उतारा भी था। गाय में 33 करोड़ देवताओं का वास होता है इसलिए उन्होंने गोशालाओं, पढ़ने के लिए संस्कृत पाठशाला, चिकित्सा के लिए समय समय पर विभिन्न प्रकार के शिविरों का आयोजन, संतों के लिए अन्न क्षेत्र, वृद्धों के लिए वृद्धाश्रम की स्थापना, हरिजन बच्चों के लिए हरिजन छात्रावास स्थापित किए।

प्राकृतिक आपदा में पुनर्वास एवं राहत कार्य भी इस महान संत के त्यागमय जीवन की कहानी के

पन्ने बोलते हैं। वृंदावन की पावन धरती पर चैतन्य महाप्रभु, बल्लभाचार्य, रूप गोस्वामी, जीव गोस्वामी, गोपाल भट्ट, जैसे संतों ने यदि धर्म की ध्वजा फहराई और श्यामा श्याम की लीलाओं के गूढ़ रहस्य को समाज के कोने तक पहुंचाया तो बीसवीं शती में देवरहा बाबा, श्रीपाद बाबा, आनन्दमयी मां, स्वामी अखण्डानन्द, स्वामी वामदेव, नीम करौली बाबा, जैसे संतों ने सनातन धर्म पर आए संकट से समाज को निकालकर एक दिशा दी। स्वामी गीतानन्द महाराज ने इससे अलग हटकर गीता के रहस्य को मानव जीवन में उतारने के मूलमंत्र को इस प्रकार प्रश्तुत किया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मुंह से सहज ही निकल पड़ा था कि यदि अन्य संत इसी भावना को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें तो भारत अपने पुराने गौरव को प्राप्त कर सकता है।

कारगिल युद्ध के बाद प्रधानमंत्री रक्षा कोष में जमा करने के लिए जब महान संत ने 11 लाख रुपये की थैली तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सौंपी तो वाजपेयी अभिभूत होकर उक्त प्रतिक्रिया व्यक्त कर गए। परन्तु अहंकार से सर्वथा परे संतजी ने यह कहकर वाजपेयी को और आश्चर्यचकित कर दिया था कि इसमें उनका कुछ भी योगदान नहीं है। उन्होंने तो वही काम किया है जो एक पोस्टमैन करता है।

यह धनराशि उनके शिष्यों की है जिसे उन्होंने प्रधानमंत्री रक्षा कोष को दिया है। उनका सिद्धान्त था कि दान इस प्रकार दिया जाना चाहिए कि दाहिने हाथ से दिये गए दान का पता बाए हाथ को भी न चल सके। यही नहीं स्वामी गीतानंद जी के ट्रस्ट द्वारा 11 लाख रुपए कॉविड के दौरान भी प्रधानमंत्री कोष में पीड़ितों की मदद के लिए दिए गए थे स्वामी गीतानन्द महाराज दीपक की तरह थे जिन्होंने न केवल शिष्यों को बल्कि सम्पूर्ण मानवता को अंधकार से निकालकर

समाजसेवा का ऐसा सन्मार्ग दिखाया जो वाश्तविक मोक्ष का साधन है। उनका कहना था कि भगवत गीता मानव जीवन के जीने का विज्ञान है। गीता के रहस्य एवं चमत्कार को मानव अपने जीवन में उतारकर ही उसकी महत्ता और उपयोगिता का अनुभव कर सकता है।

गीता मानव को जन्म से लेकर मृत्यु तक हर परिस्थिति से मुकाबला करने और उसमें दी गई अच्छाइयों को उतारने की शिक्षा देती है। स्वामी गीतानन्द महाराज ने गीता पर प्रवचनों के माध्यम से समाज को बताया कि मनुष्य अपने कार्य एवं साधना से मानव की सेवा किस प्रकार कर सकता है। महाराजश्री के पास जो भी आया उसके मन को ऐसी शांति मिली कि उसके लिए वृन्दावन का अनूपयति गीता आश्रम ही तीर्थ बन गया।

हिमाचल में रिटायर्ड बैंक कर्मचारी से बिना ओटीपी पूछे लाखों की ठगी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में एक रिटायर्ड बैंक कर्मचारी के साथ वॉट्सऐप लिंक के जरिए भेजी गई एपीके फाइल के माध्यम से करीब 16 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। जिसके बाद इस मामले में पुलिस थाना ढली में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

शिकायतकर्ता शिमला निवासी पद्म देव एक राष्ट्रीयकृत बैंक से

सेवानिवृत्त हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 नवंबर की शाम करीब 8 बजे उन्हें एक अनजान मोबाइल नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को बैंक से जुड़ा बताया और कहा कि उनका 'लाइफ सर्टिफिकेट' अपडेट करना है। इसी बहाने उसने पद्म देव के मोबाइल पर एक वॉट्सऐप लिंक भेजा, जिसमें एक एपीके फाइल को डाउनलोड करने के लिए कहा गया।

अगले दिन 18 नवंबर को उसी नंबर से दोबारा कॉल आई और उस व्यक्ति ने उन्हें अपने वॉट्सऐप नंबर पर बात करने को कहा। बात करते समय पद्म देव ने उसके द्वारा भेजी गई एपीके लिंक को खोल दिया। इस दौरान उनके फोन पर 3-4 ओटीपी आए, हालांकि उन्होंने कोई भी ओटीपी उस व्यक्ति को नहीं बताया। लेकिन इसके बावजूद फोन पर बातचीत के दौरान ही उस अज्ञात शख्स ने उनके मोबाइल फोन का डेटा एक्सेस कर लिया।

इसके बाद भी उनके फोन पर लगातार ओटीपी आते रहे।

, खतौनी सुधार को लेकर योगी सरकार ने दी राहत

किसान सम्मान निधि में रोड़ा बन रही बाधा होगी दूर

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी में योगी सरकार की पहल से किसान सम्मान निधि में रोड़ा बन रही बड़ी बाधा दूर होने का रास्ता साफ हो गया है। राजस्व परिषद ने प्रदेश के लाखों किसानों को बड़ी राहत दे दी है। अब किसान अपनी खतौनी में दर्ज नाम को आधार कार्ड के अनुसार संशोधित करवा सकेंगे। इस नई सुविधा से प्रदेश के करीब तीन करोड़ से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाएगा, बल्कि किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आने वाली बाधाओं को भी दूर करेगा। वर्तमान में प्रदेश में खतौनी को आधार कार्ड से लिंक करने का व्यापक

अभियान चल रहा है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ी समस्या नामों में अंतर की है। कई मामलों में खतौनी में पिता का नाम, स्पेलिंग या सरनेम अलग होने के कारण आधार से मिलान नहीं हो पाता। नतीजतन, लाखों किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की छह हजार रुपये वार्षिक सहायता राशि से वंचित रह जा रहे हैं। हर तिमाही दो-दो हजार रुपये की यह किस्त कई किसानों के खाते में नहीं पहुंच पा रही है, क्योंकि सिस्टम नाम मिलान में असफल हो जाता है। इसके अलावा, फसल बीमा योजना, ऋण माफी, भूमि अधिग्रहण मुआवजा या अन्य कल्याणकारी योजनाओं में भी खतौनी अनिवार्य दस्तावेज होती है। नाम में मामूली अंतर भी आवेदन रद्द होने का कारण बन जाता है, जिससे किसानों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और समय व धन की बर्बादी होती है। इसी समस्या को देखते हुए राजस्व परिषद ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब किसान बिना कोर्ट या लंबी कानूनी प्रक्रिया के आधार कार्ड के अनुसार खतौनी में नाम सुधार करवा सकेंगे।

कार बेचने के नाम पर नौ लाख हड़पे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । लोनी के ल मी गार्डन कॉलोनी निवासी व्यक्ति से कार बेचने के नाम पर नौ लाख रुपये ठग लिए गए। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सुनील कुमार पांचाल दिल्ली पटेल नगर में कार की खरीद-बिक्री का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि शामली के थाना कराना लाल मोहल्ला निवासी दीपक कुमार एक कार लेकर उनके पास पहुंचा। दीपक ने उन्हें कार के कागजात दिखाकर नौ लाख रुपये में कार बेचने की बात तय की। साथ ही कार के फर्स्ट - नर दिल्ली निवासी मुकेशपुर एक्सटेशन श्रीपाल से फोन पर बात करवाई। दोनों के पहले से परिचित होने के चलते उन्होंने कार अपने पास रखकर नौ लाख रुपये की पेमेंट कर दी। उन्होंने बताया कि आठ अक्टूबर को दीपक उनके पास आया और पुत्री के बीमार होने की बात बताकर दो दिन के लिए कार ले गया। कुछ दिनों तक कार वापस न आने पर उन्होंने दीपक से बात की, जिस पर वह बहाने बनाकर उन्हें टरकाता रहा। कुछ दिन पहले उसने फोन उठाना बंद कर दिया। इसके बाद उन्हें अपने साथ हुई ठगी का पता चला।

कड़कड़ मॉडल गांव में जर्जर सड़क से दो माह से परेशान लोग

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । साहिबाबाद के कड़कड़ मॉडल गांव के लोग पिछले दो माह से जर्जर पड़ी सड़क से परेशानी ेल रहे हैं। गांव में करीब एक किलोमीटर लंबी सड़क को निर्माण कार्य के लिए तोड़ दिया गया था, लेकिन दो महीने बीतने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। टूटी हुई सड़क से उड़ती धूल से लोगों को सांस लेने में भी परेशानी होती है। स्थानीय निवासी अरुण तोमर ने बताया कि सड़क टूटने के कारण उनके रोजमर्रा के आवागमन में दि त होती है। रोजाना स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों और काम पर जाने वाले लोगों को बड़ी दि तों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने नगर निगम से जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है, ताकि उन्हें इस समस्या से राहत मिल सके।

मारपीट कर महिला को घर से निकाला, रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । मोदीनगर में दहेज में पांच लाख रुपये की मांग के चलते मारपीट कर महिला को घर से निकाल दिया गया। पुलिस आयुक्त के आदेश पर मोदीनगर कोतवाली में पति सहित पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। मोदीनगर तिबड़ा रोड बाग कॉलोनी निवासी महिला शक्ति शर्मा के अनुसार, उसकी शादी आठ साल पहले -ल्ड फरीदाबाद निवासी पंकज भारद्वाज के साथ हुई थी। शादी के बाद ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए महिला को प्रताड़ित करते थे। पिछले दिनों पांच लाख रुपये की मांग के चलते ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट कर महिला को घर से निकाल दिया। पीड़िता ने मायके पक्ष के लोगों को आपबीती बताई। जिस पर कोतवाली में तहरीर दी गई। आरोप है कि कई बार काउंसिलिंग होने के बाद भी समाधान नहीं हो सका है। सी- मोदीनगर ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर पति दीपक भारद्वाज, सुनीता, दिनेश, मानसी, शुभम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

महिला से छेड़छाड़ करने वाला दबोचा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । साहिबाबाद थाना क्षेत्र में पति की मौत के बाद छोटे बेटे के साथ रह रही महिला के साथ छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। महिला के अनुसार उनकी वॉशिंग मशीन खराब हो गई थी। उन्होंने लाजपत नगर में एक दुकान पर संपर्क किया। सोहेल नाम का युवक उनके साथ मशीन ठीक करने घर आ गया। आरोप है कि सोहेल ने उनके साथ छेड़खानी की।

बाइक सवार युवक को टक्कर मारी ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । मोहन नगर के पास गलत दिशा में दौड़ रहे ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को ट र मार दी। हादसे के बाद भागने के प्रयास में चालक ने ट्रैक्टर युवक पर चढ़ाने का प्रयास किया। युवक ने लोगों की मदद से ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया, लेकिन वह छूटकर भाग गया। घायल हुए युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। नंदग्राम में रहने वाले मयंक ग्रोवर के अनुसार 1 नवंबर की सुबह उनका साला शिवम चौधरी बाइक से अपने क्लीनिक जा रहा था। मोहन नगर में एमएमएक्स मॉल के पास पहुंचा तो गलत दिशा से तेज गति में आ रहे ट्रैक्टर ने शिवम की बाइक में ट र मार दी। ट्रॉली में रोड़ी भरी हुई थी। ट र लगने से शिवम बाइक समेत सड़क पर गिर गए। इसके बाद ट्रैक्टर चालक ने शिवम पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया। शिवम ने किसी तरह से अपनी जान बचाई। शिवम ने राहगीरों की मदद से ट्रैक्टर चालक को दबोच लिया और डायल 112 पर फोन किया।

कई ट्रेन के रद्द होने से यात्रियों को परेशानी होगी

ठंड और कोहरे को देखते हुए रेलवे ने एक दिसंबर से 28 फरवरी तक 16 ट्रेन को रद्द करने का निर्णय लिया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । बढ़ती ठंड और घने कोहरे को देखते हुए रेलवे ने एक दिसंबर से 2 फरवरी तक 1प्र ट्रेन र करने का निर्णय लिया है। ऐसे में यात्रियों को अन्य वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ेगा। इससे उन्हें शुरुआती दिनों में समस्या भी आएगी। सर्दियों को देखते हुए एक दिसंबर से 2 फरवरी 202प्र तक 1प्र ट्रेन सुरक्षा कारणों की वजह से र रहेंगी। इनमें एक्सप्रेस ट्रेन के साथ पैसेंजर ट्रेन भी शामिल हैं। इनमें अवध असम 15З०ज, असम अवध 15З०, काठगोदाम जम्मू तवी 1220च, जम्मू तवी काठगोदाम, गरीब रथ 1220 , मालदा टाउन नई दिल्ली 14003, नई दिल्ली मालदा टाउन 14004, बरौनी अंबाला 15523, अंबाला बरौनी 15524, योगनगरी ऋषिकेश जम्मू तवी 14प्र05, जम्मू तवी योगनगरी ऋषिकेश 14प्र0प्र, लालकुआं अमृतसर 14प्र15, अमृतसर लालकुआं 14प्र14, जनसेवा एक्सप्रेस 14प्र1च 14प्र1 , उपासना एक्सप्रेस र होंगी।

क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

कफ सिरप तस्करी मामले की कर रहा था जांच, 4 लाख रुपए लिए थे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

बीते दिनों जिले में प्रतिबंधित कफ सिरप की तस्करी से जुड़े प्रकरण की जांच के लिए बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के प्रभारी इंस्पेक्टर रमेश सिंह सिंधु 4 लाख रुपए की घूसखोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

इंस्पेक्टर रमेश सिंह सिंधु क्राइम ब्रांच में तैनात है। इंस्पेक्टर बीते दिनों पकड़े गए कफ सिरप तस्करी मामले की जांच कर रहे थे। एक आरोपी के जानकार से इंस्पेक्टर ने चार लाख रुपये मांगे थे। वहीं, आरोपी के परिजनों ने जैसे ही इंस्पेक्टर के हाथ में चार लाख रुपये हथाए तो तभी पुलिस आयुक्त की टीम ने इंस्पेक्टर को रंगे हाथों पकड़ लिया। बता दें कि बांग्लादेश भेजे जाने वाले कफ सिरप मामले की जांच इंस्पेक्टर रमेश सिंह सिंधु के नेतृत्व में ही चल रही थी।

तीन नवंबर को क्राइम ब्रांच ने मेरठ रोड स्थित मछली गोदाम में छापा मारकर चार ट्रक से तस्करी के लिए भेजा जा रहा कफ सिरप बरामद किया था। पुलिस ने आठ आरोपी गिरफ्तार किए थे। गोदाम मालिक संतोष भड़ाना के सहयोग से मकनपुर निवासी सौरव त्यागी कफ सिरप की तस्करी कर रहा था। संतोष भड़ाना की जमानत पर कोर्ट में सुनवाई होनी है।

इसी मामले में संतोष के परिचित राहुल शर्मा ने इंस्पेक्टर रमेश सिंह से संपर्क किया। दोनों में बृहस्पतिवार रात करीब 12 बजे मिलने का समय तय हुआ। इसकी जानकारी पुलिस आयुक्त जे रविंदर गौड़ को लग गई।

आयुक्त के आदेश पर सी-नंदग्राम उपासना पांडेय के नेतृत्व में टीम बनाई गई और रात करीब 12 बजे लोहिया नगर स्थित क्राइम ब्रांच परिसर से आरोपी इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया गया। इंस्पेक्टर की कार से चार लाख रुपये भी बरामद हुए हैं।

एलएलबी का छात्र घर में फंदे से लटका मिला

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साहिबाबाद थाना क्षेत्र की वृंदावन गार्डन सोसाइटी में एलएलबी का छात्र संदिग्ध हालत में घर में ही दुपट्टे के फंदे से लटका मिला। पुलिस आत्महत्या के कारणों को लेकर जांच कर रही है। वृंदावन गार्डन में रहने वाले प्रेम शंकर प्रजापति एक निजी स्कूल में अकाउंटट हैं।

उनका 22 वर्षीय इकलौता बेटा दक्ष प्रजापति मेवाड़ कॉलेज में लॉ का छात्र था और फिलहाल चौथे साल में था। प्रेमशंकर की पत्नी शकुंतला बीमार होने के कारण रविवार से अस्पताल में भर्ती हैं। गुरुवार को सुबह लगभग साढ़े आठ बजे प्रेमशंकर अपनी ि पर चले गए थे। उस समय दक्ष कॉलेज जाने के लिए तैयार हो रहा था।

दोपहर में लगभग ः ई बजे जब वह ट्टी से लौटे और घर का दरवाजा खोलकर अंदर गए तो देखा कि उनका बेटा दुपट्टे से फंदे पर लटका हुआ था। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने दक्ष की हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया।

सी- साहिबाबाद श्वेता यादव का कहना है पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आत्महत्या की बात सामने आई है। युवक ने आत्महत्या क्यों की, इसकी जांच की जा रही है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही दक्ष के मोबाइल से इस तरह का कुछ मिला है। उसके मोबाइल की सीडीआर निकलवाई जा रही है।

बिल्डर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

फ्लैट बुक करने के बाद भी कब्जा न देने पर जिलाधिकारी ने राजनगर एक्सटेंशन स्थित क्लासिक होम्स सोसाइटी बिल्डर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए हैं। बिल्डर फ्लैट देने के बजाय बुकिंग रकम देने पर अड़ा था। क्लासिक होम्स सोसाइटी के विकासकर्ता के खिलाफ एक खरीदार ने जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ से शिकायत की। उसने बताया कि उसने दो फ्लैट बुक कराए थे। बुकिंग की रकम भी बिल्डर को दी।

बिल्डर से रकम तो ले ली, लेकिन उसकी रसीद नहीं थी। जब फ्लैटों पर कब्जा लेना का समय आया तो बिल्डर से फ्लैट देने के बाद बुकिंग राशि वापस करने को कह दिया।

जिलाधिकारी ने सिटी मजिस्ट्रेट की अगुवाई में बनाई कई कमेटी से मामले की जांच कराई। सिटी मजिस्ट्रेट डॉ. संतोष उपाध्याय ने बताया कि विकासकर्ता के बुलाकर दोनों के बीच सम ौता करने का प्रयास किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि बिल्डर ने नियमों का पालन नहीं किया और खरीदार के साथ धोखाधड़ी की।

इतना ही नहीं अधिकारियों के कहने के बावजूद बिल्डर खरीदार पर अपनी रकम वापस लेने का दबाव बनाता रहा। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ का कहना है कि ऐसे मामलों के लिए एक विशेष जांच कमेटी बनाई गई है। कमेटी की जांच में शिकायत सही पाई गई। जिसके बाद बिल्डर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने को कहा गया है।

हरे भरे पेड़ों पर चला ठेकेदारों का आरा

प्रतिबंधित प्रजाति के हरे पेड़ो के कटान मे विभाग की मौन स्वीकृति

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर क्षेत्र में प्रतिबंधित प्रजातियों में शीशम व आम तथा फलदार हरे - भरे पेड़ों का अवैध कटान यहा बड़े पैमाने पर लगातार जारी है।

जबकि प्रशासन द्वारा इन पेड़ों की प्रतिबंधित प्रजातियां होने के बावजूद क्षेत्र में नियमों को ताख पर रखकर खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उधर मामले की जानकारी होने के बाद भी वनीय अधिकारी मौन बने हुए हैं और इन माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं हैं।

मालूम हो कि इन क्षेत्रों में काटे जा रहे हैं नगीना - कोतवाली मार्ग पर, कालाखेड़ी, गावड़ी, धिमाहेड़ी, पहाड़ी दरवा , नंदपुर, काजीवाला, रायपुर रोड, र लाइन हाईवे, पुरैनी, कोठरा, म ड़ा, टोलटैक्स के निकट सहित भुरापुर, नैनपुरा सराय, किरतपुर, आदि गांव क्षेत्रों में शीशम, तुन, आम सहित अन्य प्रतिबन्धित प्रजातियों के पेड़ों का अवैध कटान यहा जोरो शोरो पर चल रहा हैं।

जिसमें क्षेत्र के वनीय दारोगा को मामले की जानकारी होने के बाद भी कटान माफियाओं से सांठगांठ कर क्षेत्र में हरे भरे फलदार पेड़ों का अवैध कटान थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसके बाद स्थानीय लोगों व समाजसेवियों तथा मीडियाकर्मियों द्वारा वन विभाग को इसकी सूचना दी गई।

लेकिन कटान माफियाओं के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके चलते इनके हौंसले बुलंद हैं। और इन पेड़ कटान माफियाओं व उसमें सलिप्त कुछ वन क्षेत्राधिकारी के खिलाफ लगातार समाचार पत्रों में सुर्खियां बनने के बाद भी इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं होती।

विभागीय उच्च अधिकारियों से जानकारी की गई तो विभाग ने अपना क्षेत्र न बताते हुए किसी और क्षेत्र का मामला है। इसमें हम कुछ नहीं कर सकते यह जवाब समाजसेवी व क्षेत्र गणमान्य लोगों को दे देते हैं।

इसी के साथ सवाल यह उठता है कि क्या वन विभाग और ठेकेदारों के बीच मिलीभगत हो रही है या विभाग जानबू कर इस मु को नजरअंदाज कर रहा है। देखा जाए तो वन विभाग की लापरवाही के कारण प्रतिबंधित पेड़ों की कटाई में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

उधर विभागीय अधिकारी व प्रशासन अनदेखा कर मौन बने हुए हैं। अब देखना यह है कि उच्चाधिकारी नगीना क्षेत्र के पेड़ कटान माफियाओं के विरुद्ध क्या कार्रवाई करते हैं।

एस.आई.आर कैम्प के दौरान 450 फार्म भरे गए

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

नगर के मोहल्ला म ली में स्थित बरकत बैंकट हॉल में एस.आई.आर

फॉर्म भरने को लेकर एक कम्प नगर पालिका व समाजसेवी युवाओं की - र से लगाया गया।

जिसमें शहर के जिम्मेदार लोगों ने नगरवासियों को नि शुल्क फार्म भरवाकर बीएल- को सौंपा। वहीं अफजलगढ़ कम्प में एस .आई .आर फार्म करीब 450 शहर के जिम्मेदार लोगों ने नगरवासियों के नि शुल्क फार्म भरवाकर बीएल- अफजलगढ़ को सौंपा। इस अवसर पर कम्प में चेयरपर्सन पति जावेद विकार, सभासद कलवा कुरैशी, सभासद मोहम्मद चांद, समाजसेवी पत्रकार शुऐब कुरैशी, अनवर मसूद एडवोकेट, मुफ्ती अब्दुल वसी, सभासद पति शहजाद अंसारी, सभासद पुत्र इरफान अहमद, समाजसेवी अब्दुल करीम, इकबाल अहमद, मौलाना दानिश, उवैश मुख्तार, इमामु ीन कस्सार, अदनान करीम, मोहम्मद समीर समेत कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

घर बैठे कमाई का झांसा देकर 24 लाख ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

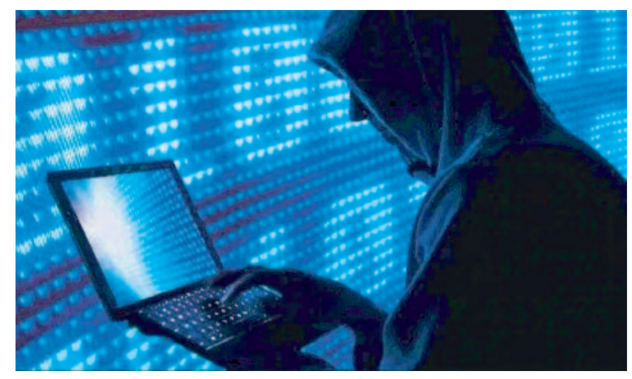

जालसाजों ने घर बैठे कमाई का ांसा देकर इंदिरापुरम निवासी युवक से 24 लाख रुपये ठग लिए। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अहिंसा खंड-दो, इंदिरापुरम के ऋषभ क्लाउड-ज निवासी जतिन का कहना है कि 25 अक्तूबर को गीतांजलि श्रीवास्तव बताने वाली महिला ने उनसे टेलीग्राम पर संपर्क किया। उसने घर बैठे पार्ट-टाइम वर्क और कमीशन आधारित ऑनलाइन कार्य का लालच दिया।

भरोसा दिलाने के बाद एचआर टीम बताकर उन्हें अनन्या कंट्रिकल नाम की दूसरी महिला के साथ जोड़ा गया। इसके बाद शोभा रियलिटी नाम की कंपनी का हवाला देते हुए एक वेबसाइट पर उनका पंजीकरण कराया और इनविटेशन कोड देकर काम शुरू कराया गया।

जतिन के मुताबिक शुरुआत में एक हजार दस रुपये का भुगतान कर ठगों ने उनका भरोसा जीत लिया। ठगों ने टेलीग्राम के कस्टमर सपोर्ट के नाम पर कई बैंक खातों की जानकारी भेजी टास्क पूरा कराने के नाम पर बड़ी रकम जमा कराई।

जतिन के मुताबिक जालसाजों ने उनसे 30 अक्तूबर से पांच नवंबर तक विभिन्न खातों और यूपीआई आईडी से 40 से अधिक ट्रांजेक्शन के माध्यम से रकम ट्रांसफर कराई।

इसके अलावा टास्क और वीआईपी चैनल के नाम पर अतिरिक्त राशि मांगी। वॉलेट में 14.3प्र लाख का बैलेंस दिखाकर फीस के नाम पर आधी रकम के तौर पर च ा लाख रुपये जमा कराने को कहा। इसके बाद क्रेडिट स्कोर कम होने का बहाना बनाकर दो लाख रुपये प्रति स्कोर के हिसाब से और रकम जमा कराया।

इस तरह जालसाजों ने उनसे 23.प्रलाख रुपये ठग लिए। ठगी का पता लगने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी।

पुलिस अधिकारी उपराध पीयूष सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की मदद से जांच की जा रही है।

प्रगति पब्लिक स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मकनपुर स्थित प्रगति पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन बेहद उत्साह और उमंग के माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें नर्सरी से लेकर वीं कक्षा तक के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि साहित्यकार अनुराग शर्मा द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके बाद छात्राओं ने मार्च पास्ट करते हुए अपनी सुंदर प्रस्तुति दी। समारोह की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार अलक्षेन्द्र सिंह नेगी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखते हैं, बल्कि इनसे अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है। उन्होंने स्कूल प्रबंधन को इस तरह के आयोजन के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर वि ालय की प्रधानाचार्या योति त्यागी ने सभी प्रतिभागी छात्रों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि जीत या हार से यादा जरूरी खेल भावना और सहभागिता है। उन्होंने सभी शिक्षकों और स्टाफ के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता में दौड़, रिले दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, बैलून फटाका, स्पून रेस और फुटबाल जैसे विभिन्न खेल आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या ने विजेता छात्रों को पुरस्कार व मेडल देकर सम्मानित किया।

चावल से भरा अनियंत्रित ट्रक पलटा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

काशीपुर के दोहरा टांडा से चावल भरकर ट्रक चालक नासिर व परिचालक शाहरुख ट्रक को लेकर हरियाणा जा रहे थे।

आज सुबह नहटौर में धामपुर मार्ग पर ईदगाह मोड़ के पास ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्रक पलटने के दौरान सड़क पर सुनसान था, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यह भी बताया जाता है कि पूर्व में इसी स्थान पर एक लकड़ी से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर कार पर गिर गया था, जिसमें युवक की मौत हो गई थी। ट्रक पलटने के दौरान चालक व परिचालक सुरक्षित निकल गए। ट्रक पलटने पर काफी नुकसान बताया जा रहा है।

चौकी पर पत्रकारों से भेंट, फिर नगर में पैदल मार्च

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

थाना प्रभारी किशन अवतार सिंह ने शनिवार को लू चौकी पर पत्रकारों के साथ शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान उन्होंने पुलिस और मीडिया के बेहतर समन्वय पर बल देते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण में पत्रकारों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं और उनके माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ती है, जिससे अपराध रोकने में मदद मिलती है।

थाना प्रभारी ने पत्रकारों से अपील की कि यदि क्षेत्र में कोई संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या जानकारी मिलती है तो तुरंत पुलिस को अवगत कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग के सहयोग से ही अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

बैठक के उपरांत थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ नगर में पैदल मार्च पर निकले। पैदल मार्च के दौरान बाजार, मुख्य चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। व्यापारियों और नगरवासियों को शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई।

थाना प्रभारी किशन अवतार सिंह ने बताया कि सर्दी का मौसम आने के साथ चोरी की घटनाओं में वृद्धि की संभावना रहती है, लेकिन पुलिस पूरी चौकसी के साथ लगातार गश्त पर है। उन्होंने कहा कि रात में पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है और संवेदनशील स्थानों को विशेष निगरानी में रखा गया है। उन्होंने जनता व व्यापारियों से सीसीटीवी कमरे लगाने की अपील करते हुए कहा कि जहां कमरे लगे होते हैं, वहां अपराधी अपराध करने से डरता है और कई घटनाओं का खुलासा भी कमरों की मदद से होता है। उन्होंने लोगों से पुलिस का सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने की बात कही।

पैदल मार्च के दौरान लोगों को आश्वस्त किया गया कि पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए पूरी तरह तत्पर है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने दो टूक कहा कि नगर क्षेत्र की शांति व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था को सब पर प्राथमिकता दी जाएगी।

जमाते इस्लामी हिंद 21 से 30 नवंबर तक पड़ोसी के अधिकार शीर्षक से चलाएगा अभियान

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

स्कोलर पब्लिक स्कूल में आयोजित पत्रकार वार्ता करते हुए जमात-ए-इस्लामी हिंद के जिला अध्यक्ष मोहतशिम नोमानी ने कहा कि इस्लाम मात्र किसी समुदाय विशेष का धर्म नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के लिए जीवन व्यतीत करने की एक व्यवस्था है।

उन्होंने कहा कि जमात ए इस्लामी हिंद 21 नवंबर से 30 नवंबर तक एक देशव्यापी अभियान पड़ोसी के अधिकार के शीर्षक से चलाने जा रही है जिसमें जमात का उ ेश्य एक स्वस्थ समाज की स्थापना करना है।

मुज़फ्फरनगर रैली की सफलता को डॉक्टर मक़सूद ने झोंकी ताकत

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

मु फ्फरनगर में होनी वाली आ ाद समाज पार्टी काशीराम की ऐतिहासिक रैली को सफल बनाने के लिए डॉक्टर म सूद ने ेकी ताकत। आपको बता दे की मु फ्फरनगर में होनी वाली आ ाद समाज पार्टी की रैली को सफल बनाने के लिए आजाद समाज पार्टी के संस्थापक सदस्य डॉक्टर मकसूद चौधरी दिन रात कड़ी मेहनत कर रहे है।

वह अपने साथी कंधे से कंधे मिलाकर चलने वाले नितीश चौधरी, प्रशांत महासागर जिलाध्यक्ष भीम आर्मी, रजत कुमार जिलाध्यक्ष मुस्लिम भाईचारा, ललित आ ाद, शाबू, वीरेंद्र कुमार, लईक कुरैशी, मोहम्मद फरमान, दानिश कुरैशी, लड्डन खा, साकिब, शहंशाह, खीलू, सहित लोगो को लेकर गांव गांव जाकर डोर टू डोर लोगो को पार्टी के प्रति जागरूक करके पार्टी का प्रचार प्रसार करने में जुटे हुए है। डॉ म सूद चौधरी मुजफ्फरनगर में होने वाली असपा की ऐतिहासिक रैली में यादा से यादा भीड़ को जुटाने का पूरा प्रयास करने में लगे है।

जिसमें आजाद समाज पार्टी के संस्थापक सदस्य डॉक्टर मकसूद चौधरी ने नजीबाबाद विधानसभा के ग्राम कल्हेड़ी मुबारकपुर, धनसिनी, लाहक कला, चोगावा, हुसैनपुर मोचीपुरा सहित दर्जनों गांव में अपना तोफानी दौरा कर जनता को रैली में पहुंचने का आह्वान किया जा रहा है। जिससे की रैली को कामयाब किया जा सके।

डॉक्टर म सूद चौधरी ने प्रेस को जानकारी देते हुआ कहा की आगामी 2प्र नवंबर को होनी वाली मुजफ्फर नगर की रैली ऐतिहासिक होंगी और इस रैली में नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र से सेकड़ो की संख्या में छोटे बड़े वाहनों का काफिला मुजफ्फर नगर की रैली में अपनी उपस्थिति दर् करा कर इसको सफल बनाने का कार्य करेगा।

शेख शाहनवाज खलील ने नुमाइश का फीता काटकर उद्घाटन किया

एनसीआर टुडे. नगीना। नगर युवा समाजसेवी व चैयरमैन संघ के जिला अध्यक्ष शेख शाहनवा लील ने फीता काटकर नुमाइश का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि शेख शाहनवा लील ने मेले में लगे ूले और दुकानों का निरीक्षण भी किया। व करीब एक घंटे तक मेले में रहे। इस बार नुमाइश में भी पूरे मैदान पर ूले और खान-पान की दुकानें लगाई गई है। बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष दुकानें भी लगाई गई हैं। मेले की तैयारियां आयोजक द्वारा 15 दिन पहले से शुरू कर दी गई थीं। स्थानीय लोग इस प्रकार की नुमाइश का इंतजार करते हैं और शुरू होने पर इसका

दंपति सहित तीन घायल

मोदीनगर। अलग-अलग कॉलोनियों में हुई मारपीट में दंपति सहित तीन लोग घायल हो गए। दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

उत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल इंजीनियर – चतुर्थ, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1.	कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता जाखल, वरिष्ठ खंड अभियंता कार्य जाखल दतेवास (डी०टी० डब्ल्यू०) रेलवे स्टेशन पर उच्च स्तरीय प्लेटफार्म का प्रावधान हेतु कार्य (निविदा संख्या 106-25-26-W-IV)
2.	अनुमानित लागत	Rs.4,01,02,927.44
3.	धरोहर राशि	Rs.3,50,500.00
4.	ई–निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	ई–निविदा भरने का समय कार्य 02.12.2025 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 16.12.2025 को 15:00 बजे
5.	निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

पत्र संख्या 128–डब्लू / 260 / निविदा सूचना / NIT 106/25-26–डब्लू–4 दिनांक :– 21.11.2025 3631/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

चुनाव आयोग पर सभी का विश्वास क्यों नहीं?

बिहार चुनाव से चुनाव आयोग की निष्पक्षता, राजनीतिक दलों के आचरण और चुनाव जीतने की रणनीति सभी पर गंभीर चर्चा है। पर आयोग को चाहिए कि वह अपने हर निर्णय में पारदर्शिता, कठोरता और समान व्यवहार बनाए रखे, तभी वह जनता का भरोसा लौटाने में कामयाब होगा। विपक्ष को अपनी कमियों से सीख लेनी होगी, ताकि वे सशक्त विकल्प बन सकें और लोकतंत्र को मजबूती दे सकें।

हाल में हुए बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में चुनाव आयोग की भूमिका और उस पर उठते सवालों ने एक बार फिर चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर बहस छेड़ दी है। एनडीए की ऐतिहासिक जीत और महागठबंधन (इंडिया एलायंस) की करारी हार के बीच, मुख्य सवाल यही उठा कि क्या चुनाव आयोग ने अपने संवैधानिक कर्तव्यों का सही तरह से निर्वहन किया। साथ ही, आचार संहिता के उल्लंघन, राजनीतिक दलों के आचरण और आयोग पर दोहरे मानदंडों के आरोपों ने भी चुनावी निष्पक्षता की मूल भावना को चुनौती दी है।

हाल के चुनावों में चुनाव आयोग पर पक्षपात और दोहरे मानदंड अपनाने के आरोप लगे। खास तौर पर, कांग्रेस और महागठबंधन ने वोटर लिस्ट, अधिकारियों की नियुक्ति और निष्पक्ष मतदान पर गंभीर सवाल खड़े किए। आरोप है कि कुछ विधानसभा क्षेत्रों में वोटर लिस्ट से लाखों नाम हटा दिए गए या मनमाने : ग से जोड़े-घटाए गए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आयोग ने भाजपा शासित राज्यों से चयनित नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को चुनावी पर्यवेक्षक नियुक्त कर पक्षपातपूर्ण रवैया दिखाया। विपक्ष ने मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि आयोग की प्रक्रिया आम जनता का भरोसा कायम नहीं रख पा रही है।

इस चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दलों के सोशल मीडिया पर भड़काऊ, जातिवादी और मक कंटेंट सा ा होने के आरोप लगे। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने ऐसे लगभग 21 एफआईआर दर्ज किए, जिनमें भाजपा, राजद और कांग्रेस जैसे बड़े दलों के खिलाफ भी कार्रवाई हुई। कई सोशल मीडिया हैंडल्स पर तो गुमराह करने वाले एआई-जनित वीडियो और दीपफेक कंटेंट डालने के आरोप मिले, जिन्हें तुरंत हटवाया गया।

आयोग द्वारा आचार संहिता के पालन के लिए सोशल मीडिया पर निगरानी करने की व्यवस्था थी, परंतु बड़ी संख्या में भड़काऊ और गुमराह करने वाले पोस्ट सामने आए, जिससे आयोग की प्रभावशीलता को लेकर सवाल भी उठे।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग की सबसे अहम जिम्मेदारी है, चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना। आयोग को अपने हर कदम पर समानता और पारदर्शिता का पालन करना चाहिए। आयोग की साख को बहाल करने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाने चाहिए। जैसे कि सभी दलों की शिकायतों की सार्वजनिक व स्वतंत्र जांच। पर्यवेक्षकों और चुनावी कर्मियों की निष्पक्ष नियुक्ति जो कि राजनीतिक काव से दूर रहते हुए की जाए। वोटर लिस्ट की शुद्धता और अ तन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाना। सोशल मीडिया व डिजिटल प्रचार पर कठोर निगरानी और दोषियों पर तत्काल कार्रवाई। आचार संहिता उल्लंघन पर बिना किसी भेदभाव के उचित व सख़्त न्यायिक कार्यवाही।

वहीं देखा जाए तो महागठबंधन (इंडिया एलायंस) रणनीतिक शतर पर संगठित नहीं हो सका। सीट शेयरिंग, यानी सीटों का बटवारा, चुनाव से ठीक पहले तय हुआ, जिससे अभियान की गति और एकता दोनों प्रभावित रहीं। तेजस्वी यादव के देर से सक्रिय चुनाव प्रचार, गठबंधन में सहयोगी दलों के मतभेद और सा ा विजन की कमी ने विपक्ष की प्रभावशीलता कम कर दी। साथ ही, कांग्रेस जैसी सहयोगी दल मीनी शतर पर मतदाताओं को लामबंद करने में नाकाम रही। ऐसे समय में जब एनडीए अपनी एकजुटता दिखा रहा था, महागठबंधन अपनी आंतरिक समस्याओं में उल कर रह गया।

महागठबंधन ने मुख्य रूप से सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कम्बेंसी) पर यादा दांव लगाया, जबकि एनडीए ने अपनी स्थिरता, विकास, और समावेशिता के एजेंडा के साथ मतदाताओं को बेहतर तरीके से साधने में सफल रहा। जातिगत समीकरणों को लेकर महागठबंधन ने पारंपरिक रणनीति अपनाई, परंतु दलित, महिला, और अति पिछड़ा वर्ग को खास तौर पर टागट करके एनडीए ने अपने पुराने वोट बैंक के दायरे को काफी विशतार दिया। जो एनडीए की ऐतिहासिक जीत का कारक बना। इसके साथ ही महिलाओं को लुभाने के लिए दिए गए अनुदान ने भी इस चुनाव परिणाम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बहरहाल चुनाव चाहे किसी रा य की सरकार का हो या केंद्र की सरकार का, हर राजनैतिक दल मतदाताओं को लुभाने की मंशा से ऐसे कई वादे करते हैं जो वाशतव में सच नहीं किए जाते। यदि जनता को चुनावों में किए गए वादों और उन्हें पूरा किए जाने के अंतर की देखा जाए तो यह अंतर का ी बड़ी संख्या में पाया जाएगा। चुनावों से पहले ऐसे वादे हर राजनैतिक दल द्वारा किए जाते हैं।

जिस तरह बिहार की जनता ने एक बार फिर से नीतीश कुमार में अपना विश्वास जताया है उससे यह बात तो तय है कि जनता को किए गए चुनावी वादे का ी लुभावने थे। परंतु मतदाताओं यह सोचना होगा कि वादों की सूची और उन्हें पूरा करने में जिस भी दल का अंतर सबसे कम हो वही दल जनता के हित की सोचता है, तभी उसी दल को चुना जाता है। यदि सभी दल एक समान हैं तो जनता को चुनावी वादों से मित होकर इनमें फँसना नहीं चाहिए। बिहार चुनाव से चुनाव आयोग की निष्पक्षता, राजनीतिक दलों के आचरण और चुनाव जीतने की रणनीति सभी पर गंभीर चर्चा है। पर आयोग को चाहिए कि वह अपने हर निर्णय में पारदर्शिता, कठोरता और समान व्यवहार बनाए रखे, तभी वह जनता का भरोसा लौटाने में कामयाब होगा। साथ ही, विपक्ष को चुनावी रणनीति बनाने और आंतरिक समन्वय में अपनी कमियों से सीख लेनी होगी, ताकि वे सशक्त विकल्प बन सकें और लोकतंत्र को मजबूती दे सकें।

सुख का मापदण्ड और भारतीय यथार्थ

डॉ. सत्यवान सौरभ

विश्व हैपीनेस रिपोर्ट हर वर्ष किसी देश की सुख-संतुष्टि का आकलन प्रस्तुत करती है। किंतु भारत जैसे विशाल, विविध और सांस्कृतिक रूप से जटिल देश के लिए यह रिपोर्ट कई बार उस यथार्थ को उजागर नहीं कर पाती जो समाज के भीतर गहरे शतर पर मौजूद है।

भारत की रैंकिंग अक्सर सौ से ऊपर दिखाई देती है, जबकि इसी अवधि में भारत ने स्वास् य, पोषण, सामाजिक सुरक्षा, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, संरचनात्मक सुधारों और गरीबी कमी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की हैं। यह विरोधाभास एक नैसर्गिक प्रश्न खड़ा करता है-क्या किसी देश के धसुखई को केवल सवक्षण-आधारित दृष्टिकोण से सम ा जा सकता है और क्या यह मापन भारतीय जीवन-मूल्यों और सामाजिक वाशतविकताओं को पकड़ने में सक्षम है

विश्व हैपीनेस रिपोर्ट का आधार मुख्यत स्व-आकलन है। सवक्षणकर्ता उत्तरदाताओं से पूछते हैं कि वे जीवन को दस-श्तरीय सीढ़ी में कहा रखते हैं। यह धसीढ़ी-संबंधी मूल्यांकनई पश्चिमी मनोविज्ञान में प्रयुक्त उस विचार पर आधारित है जिसमें सुख को व्यक्तिगत प्राप्तियों और परिस्थितियों के आधार पर मापा जाता है।

परन्तु भारतीय समाज में सुख की अवधारणा केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामुदायिक, आध्यात्मिक और पारिवारिक आयामों से भी गहराई से जुड़ी होती है। भारतीय संस्कृति में संतोष, कर्तव्य, परस्पर सहायता, संबंधों की स्थिरता और आध्यात्मिक संतुलन भी सुख का महत्वपूर्ण आधार माने जाते हैं।

इसलिए जब एक भारतीय उत्तरदाता से पूछा जाता है कि वह दस में से अपने जीवन को कितने अंक देगा, तो उसके भीतर कई सांस्कृतिक कारक सक्रिय होते हैं-विन ता, शांत-स्वीकृति, परिस्थिति को भाग्य-नियति से जोड़कर देखने की प्रवृत्ति, या समाज में शिकायत दिखाने से बचना। इसके परिणामस्वरूप अनेक भारतीय अपने जीवन को कम अंक दे सकते हैं, भले ही वे वश्तुत अनेक श्तरों पर बेहतर स्थिति में हों। सवक्षण का नमूना आकार भी भारत के लिए पर्याप्त नहीं माना जा सकता। एक अरब से अधिक जनसंख्या वाले, शहरी और ग्रामीण विविधताओं से भरे देश के लिए मात्र लगभग एक ह र लोगों के उत्तर पर आधारित निष्कर्ष असंतुलित हो सकते हैं। भारतीय समाज क्षेत्रीय, भाषायी, आर्थिक तथा सामाजिक श्तरों पर अत्यंत विषम है; एक छोटे नमूने का उपयोग करके उस विविधता का प्रतिनिधित्व संभव नहीं।

एक जिले के ग्रामीण किसान की जीवन-संतुष्टि की अवधारणा दिल्ली के शहरी पेशेवर व्यक्ति से भिन्न हो सकती है। फिर भी, दोनों को समान पैमाने पर रखकर किसी राष्ट्रीय धसुख-अंकई की व्याख्या करना वैज्ञानिक रूप से सीमित प्रतीत होता है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट में प्रयुक्त सुख की अवधारणा भी सांस्कृतिक पक्षपात से प्रभावित है। पश्चिमी : ाचा सुख को भौतिक उपलब्धियों, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और प्रत्यक्ष संतुष्टि से जोड़ता है, जबकि भारतीय समाज में अनेक बार सुख का अर्थ कठिनाइयों के बीच संतुलन बनाए रखना, भावनात्मक सहारा, सामुदायिक सहयोग या आध्यात्मिक शांति से भी जुड़ा होता है। यह अंतर सवक्षणकर्ता की भाषा, शैली, शब्दों और उत्तरदाता के मनोभाव को प्रभावित करता है। अक्सर यह देखा गया है कि भारत के ग्रामीण या अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में उत्तरदाता धजीवन के अंकई को किसी ऐसे प्रश्न की तरह स्वीकार करते हैं जिसमें शिकायत या असंतोष दिखाना उचित नहीं लगता। इसी वजह से कई भारतीय वाशतविक अनुभव होने के बावजूद संतुष्टि को अपेक्षाकृत कम आंकते हैं, जिससे परिणाम और अधिक विकृत होते हैं।

इसके विपरीत, भारत ने बीते वर्षों में सामाजिक कल्याण में कई बड़े परिवर्तन किए हैं। करोड़ों लोगों तक नि शुल्क खा ान्न पहुचाना, सर्वजन स्वास् य बीमा जैसी योजनाओं के माध्यम से आधारभूत सुरक्षा सुनिश्चित करना, ग्रामीण आजीविका कार्यक्रमों में विश्तार, शिक्षा तथा महिला-शिशु पोषण कार्यक्रमों में ब: ोत्तरी-ये सब समग्र जीवन-गुणवत्ता को बढ़ाने वाले उपाय रहे हैं। किन्तु अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें इन संकेतकों को केवल सीमित रूप से जोड़ती हैं, क्योंकि उनका मूल केंद्र धअनुभूत संतुष्टिई पर आधारित है, न कि धवश्तुनिष्ठ कल्याणई पर।

यही कारण है कि वश्तुनिष्ठ रूप से बेहतर होती सुविधाए भी रिपोर्ट में पर्याप्त रूप से उजागर नहीं हो पातीं। भारत में गरीबी में कमी और स्वास् य-सेवाओं की पहुच में वृद्धि ने जीवन को अधिक सुरक्षित और स्थिर बनाया है, परन्तु सुख-सवक्षण इस सकारात्मक परिवर्तन को मापने में अक्षम रहते हैं। ऐसे में, प्रश्न यह उठता है कि भारत को अपने भीतर ऐसा क्या बदलना चाहिए जिससे समाज अधिक भावनात्मक रूप से सुरक्षित, सहानुभूतिपूर्ण और संतुलित बन सके। इसका उत्तर धसहानुभूति संरचनाई-एक व्यापक सामाजिक : ाचा है जिसमें रा य, समाज, संस्थान और समुदाय मिलकर नागरिकों को भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक सहारा, संवाद और सहायता प्रदान करें। इस : ाचे का पहला शतंभ मानसिक-स्वास् य सेवाओं का विश्तार है।

भारत में मानसिक-स्वास् य को लेकर अभी भी कई म और कलंक मौजूद हैं। लोग सहायता लेने में संकोच करते हैं, और प्राथमिक चिकित्सा : ाचे में मानसिक स्वास् य की अनुपस्थिति समस्या को बढ़ाती है। यदि प्राथमिक स्वास् य केंद्रों में प्रशिक्षित परामर्शदाता हों, दूरभाष-आधारित सेवाए व्यापक हों और वि ालयों-कॉलेजों में मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध हो, तो समाज में भावनात्मक असुरक्षा घट सकती है। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू समुदाय-आधारित सहयोग है। भारतीय संस्कृति में पड़ोस, परिवार और सामाजिक संबंधों की शक्ति अत्यधिक रही है, परन्तु शहरीकरण और व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा के कारण यह संरचना कमजोर हो रही है। यदि स्थानीय समुदायों में संवाद-चक्र, सहारा-समूह, वरिष्ठ नागरिक सहायता-केंद्र, महिलाओं के लिए सुरक्षित समुदाय-स्थल और युवाओं के लिए सा ा सहयोग मंच विकसित किए जाए, तो सामाजिक एकांत कम हो सकता है।

सहानुभूति तभी विकसित होती है जब लोग एक-दूसरे के जीवन में उपस्थिति का अनुभव करें। सहानुभूति संरचना का तीसरा शतंभ कार्यस्थल है। कार्यस्थलों पर तनाव, प्रतिस्पर्धा, ल य-दबाव और असुरक्षा बढ़ रही है, जिसके चलते कर्मचारियों का मानसिक संतुलन प्रभावित होता है। यदि संस्थान संवेदनशील नीति अपनाए-कार्य अवधि में लचीलापन, परामर्श सेवाए, साथी-सहयोग कार्यक्रम, नेतृत्व प्रशिक्षण में सहानुभूति-आधारित व्यवहार-तो यह वातावरण को स्वस्थ बना सकता है। एक सहानुभूतिपूर्ण संस्थागत संस्कृति न केवल कर्मचारी के मनोबल को बढ़ाती है बल्कि उत्पादकता भी बढ़ाती है।

चौथा आयाम वि ालयों में भावनात्मक शिक्षा का है। बच्चों में सहानुभूति, अहिंसक संवाद, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहयोगात्मक गतिविधियों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। यदि बच्चे अपनी भावनाए सम ना, व्यक्त करना और दूसरों की भावनाओं को पहचानना सीखें, तो समाज भविष्य में अधिक संवेदनशील बनेगा। शैक्षणिक : ाचा केवल परीक्षा-आधारित न रहकर जीवन-आधारित होना चाहिए।

पाचवा पक्ष तकनीकी सहारा है। यदि तकनीक का उपयोग मानसिक-स्वास् य और भावनात्मक सहयोग के लिए किया जाए-जैसे परामर्श ऐप, संकट में सहायता, छात्रों और युवाओं के लिए डिजिटल संवाद केंद्र-तो यह सहानुभूति संरचना को व्यापक बना सकता है। तकनीक का जिम्मेदार उपयोग सामाजिक संवेदनशीलता को बढ़ावा दे सकता है, बशत उसकी निगरानी और नैतिकता मजबूत हो।

अंतत , रा य के प्रशासनिक : ाचे में भी सहानुभूति की आवश्यकता है। जब सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, परिवहन, सुरक्षा और न्याय-प्रणाली में कार्यरत लोग नागरिकों के प्रति अधिक करुणामय व्यवहार अपनाए, तो नागरिक-रा य संबंध और भी मजबूत होते हैं। जनता की समस्याओं को सुनना, सम्मान देना और समाधान में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना किसी भी लोकतंत्र की मजबूती का आधार है।

इस प्रकार विश्व हैपीनेस रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग उसे केवल नकारात्मक दृष्टिकोण से देखने के बजाय एक अवसर के रूप में सम ा जाना चाहिए। यह अवसर भारतीय समाज को यह विचार करने का मार्ग देता है कि कसे हम धसुखई को केवल व्यक्तिगत संतुष्टि के रूप में नहीं, बल्कि सामूहिक भावनात्मक सुरक्षा, सामाजिक भरोसा, संवेदनशील संवाद और मानसिक-स्वास् य संरचना के रूप में विकसित कर सकते हैं। रिपोर्ट की पद्धति में चाहे जितनी सीमाए हों, यह हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि समाज किस दिशा में जाए।

भारत यदि अपनी पारंपरिक सामुदायिक शक्ति को आधुनिक सामाजिक-कल्याण : ाचे के साथ जोड़ दे, तो सहानुभूति-आधारित विकास की एक नई धारा स्थापित हो सकती है, जो वाशतविक सुख को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

बिहार विधान सभा चुनाव दे रहे हैं कुछ संकेत

प्रहलाद सबनानी

हाल ही में सम्पन्न हुए बिहार रा य की विधान सभा के चुनाव परिणाम आ गए हैं एवं भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। कुल 243 विधायकों में से एनडीए गठबंधन के 202 प्रत्याशी चुनाव जीत कर विधायक बन गए हैं। विधान सभा शतर के किसी भी चुनाव में सामान्यत रा य शतर की स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखकर ही रा य के नागरिक अपना वोट देते हैं।

परंतु, हाल ही के समय में कई रा यों के चुनावों में स्थानीय नागरिकों के बीच यह प्रवृत्ति घर करती जा रही है कि जो राष्ट्रीय अथवा स्थानीय दल उन्हें मुफ्त की आकर्षक योजनाएं प्रशतुत कर रि ाने का प्रयास करता है, उस दल को उस रा य में अधिक सफलता मिलती हुई दिखाई दे रही है। इस प्रवृत्ति का स्पष्ट संकेत दिल्ली रा य में वर्ष 2013 में सम्पन्न हुए रा य विधानसभा के चुनावों में, केवल एक वर्ष पूर्व गठित नए दल, आम आदमी पार्टी के इस विधान सभा चुनाव में 2 सीटों की जीत पर दिखाई दिया था।

उस समय आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के समर्थन से अपनी सरकार बनाई थी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली निवासियों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का वायदा इन चुनावों के दौरान किया था, जिसे बाद में पूरा भी किया गया था। इसके बाद तो दिल्ली विधान सभा चुनाव में वर्ष 2025 तक आम आदमी पार्टी का ही लगभग पूर्ण कब्जा रहा, क्योंकि मुफ्त में प्रदान की जाने वाली इसी प्रकार की कुछ और घोषणाओं को भी आम आदमी पार्टी समय समय पर लागू करती रही और दिल्ली के पढ़े लिखे नागरिकों को अपनी - र आकर्षित करने में सफल रही।

हालांकि, इस बीच दिल्ली की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती रही और दिल्ली का धबचत का बजटई-धघाटे के बजटई में परिवर्तित हो गया था।

इसके बाद तो लगभग प्रत्येक रा य में इस प्रकार का दौर ही चल पड़ा। हिमाचल प्रदेश रा य में कांग्रेस, सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के वादा, रा य की प्रत्येक वयस्क महिला को 1500 रुपए देने का वादा एवं प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर वर्ष 2022 में सत्ता में आ गई। बाद में जब पुरानी पेंशन योजना को हिमाचल प्रदेश में लागू किया गया तो हिमाचल प्रदेश के पहिले से ही दबाव में चल रहे बजट पर अतिरिक्त बो पड़ा एवं रा य की आर्थिक स्थिति लगभग पूर्णतः डावांडोल हो गई है एवं रा य को अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान करने एवं रा य के सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है।

इसी चलन को कायम रखते हुए हाल ही में सम्पन्न बिहार रा य में भी विधान सभा चुनाव के समय श्री नीतीश कुमार की रा य सरकार ने रा य की 1.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 10, 000 रुपए की राशि सीधे जमा करवाई है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की घोषणा 2ज अगश्त 2025 को की गई थी एवं केवल एक माह के अंदर इस योजना को लागू कर दिया गया तथा रा य की महिलाओं के बैंक खातों में राशि हश्तांतरित कर दी गई। हालांकि, रा य में लागू की गई इस योजना को महिला सशक्तिकरण की सबसे बड़ी पहल के रूप में देखा गया क्योंकि रा य सरकार द्वारा इस योजना को लागू करने का उ ेश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित करना था। ऐसा बताया गया है कि रा य की कुछ महिलाओं ने इस राशि से अपनी छोटी छोटी उत्पादन इकाईयों को प्रारम्भ करने में सफलता पाई है। रा य के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि बिहार सरकार उन महिलाओं को रुपए 2 लाख तक की सहायता राशि उपलब्ध कराएगी जिनका व्यवसाय सफल रहेगा, इस छोटे निवेश से पूरा परिवार लाभान्वित होगा।

बिहार रा य में लगभग 1.40 करोड़ जीविका दीदियां स्व सहायता समूहों के माध्यम से सक्रिय हैं। आज देश के सबसे बड़े रा यों में बिहार रा य में गरीब वर्ग के नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है एवं बिहार रा य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उ ेश्य से सबसे अधिक पलायन करते हुए दिखाई देते हैं। पूर्व में उत्तर प्रदेश रा य की भी लगभग यही स्थिति थी, परंतु, हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश रा य में रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित हुए हैं जिससे इस रा य में नागरिकों का रोजगार के लिए पलायन रुका है। यदि बिहार रा य भी अपने नागरिकों का पलायन रोकने में सफल रहता है एवं अपने रा य के नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में सफलता प्राप्त करता है तो यह देश के आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक होगा। परंतु, लाख टके का प्रश्न यह है कि क्या बिहार सरकार की आर्थिक स्थिति उक्त प्रकार की योजनाओं को चलाने की स्थिति में है

इसी प्रकार, मध्य प्रदेश रा य भी लाड़ली बहिना योजना को लागू कर चुका है एवं इसी तर्ज पर हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, आदि रा यों में भी नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाएं प्रारम्भ की गई। तमिलनाड में तो मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराने का पुराना इतिहास रहा है। कुछ रा यों में तो टीवी, लैपटॉप, स्कूटी, साइकल, आदि जैसे महंगे उत्पाद भी चुनावों के समश्त रा य के नागरिकों को मुफ्त में उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। विभिन्न रा यों द्वारा यदि चुनाव जीतने के लिए रा य के नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने का क्रम यदि जारी रहता है तो यह प्रचलन इन रा यों एवं देश के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आज सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण 15 रा यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.च प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3. प्रतिशत के खतरनाक शतर पर पहुंच गया है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई रा यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-1प्र से वर्ष 2022-23 के बीच रा यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 3 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई रा य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रहीं हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन रा यों की अर्थव्यवस्थाएं शी ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं।

अब यदि चुनाव जीतने के लिए विभिन्न रा य सरकारें क्या इसी तरह की योजनाओं को लागू करती रहेंगी। यदि हां, तो इन रा यों को अपने दिवालिया होने के लिए बहुत लम्बा इन्तजार नहीं करना होगा। क्योंकि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विशेष रूप से पंजाब, केरल, पश्चिमी बंगाल, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, ारखंड, बिहार, दिल्ली आदि रा यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। यदि समय पर इन रा यों के आर्थिक : ांचे को सुधारने के प्रयास नहीं किया गए तो यह रा य दिवालिया होने की - र तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

हालांकि, समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा सहायता की राशि उपलब्ध कराकर कई रा यों की वित्तीय कठिनाईयों को हल करने का प्रयास किया जाता है परंतु, केंद्र सरकार भी लम्बे समय तक यह कार्य नहीं कर सकती है क्योंकि अंतत इससे केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी दबाव बनता है।

विभिन्न रा यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा आगे बढ़कर इस सम्बंध में कुछ नियम जरूर बनाए जाने चाहिए। यदि इन रा यों की वित्तीय स्थिति लोक लुभावन घोषणाओं को पूरा करने की नहीं है तो, इस प्रकार की घोषणाएं चिन्हित रा यों द्वारा नहीं की जानी चाहिए, ऐसे नियम बनाए जाने चाहिए। सहायता की राशि केवल चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रदान की जानी चाहिए न कि रा य की पूरी जनता को उपलब्ध करायी जाय। जैसा कि बिजली माफी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। रा य के समश्त परिवारों को 300/400 यूनिट बिजली मुफ़्त में उपलब्ध कराए जाने के प्रयास हो रहे हैं।

यदि रा य की आर्थिक हालत बिगड़ रही है तो इसका खामियाजा भी अंतत उस प्रदेश की जनता को ही भुगतना पड़ता है। यह रा य शिक्षा, स्वास् य सेवाओं, आदि मदों पर होने वाले खर्च में कटौती करते हैं, जो रा य के आर्थिक विकास एवं भविष्य में आने वाली पीढ़ी के लिए ठीक नहीं है। रा य में आर्थिक विकास की गति कम होने से इन रा यों में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे है।

बिहार में दसवीं बार नीतीश कुमार की वापसी, नई सरकार, नए समीकरण

कांतिलाल मांडोत

बिहार की राजनीति में एक बार फिर इतिहास दोहराया गया है। नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर यह साबित कर दिया कि रा य की राजनीति में उनकी पकड़, उनका अनुभव और उनका संतुलन आज भी उतना ही मजबूत है जितना दो दशक पहले हुआ करता था।

शपथ ग्रहण समारोह में जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गमछा हिलाकर उत्साह जताया उससे उपस्थित भावविभोर हो गए। इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

उसने न केवल बिहार की राजनीति बल्कि आने वाले वर्षों के राष्ट्रीय चुनावी समीकरणों को भी एक संदेश दिया है। इस समारोह में डिप्टी सीएम के रूप में स ाट चौधरी और विजय सिन्हा ने शपथ ली। कुल मिलाकर 2प्र मंत्रियों की टीम बनी जिसमें 14 भाजपा कोटे से, जदयू से, लोजपा, हम और कुशवाहा की पार्टी से एक-एक मंत्री शामिल किए गए।

खास बात यह रही कि मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम मंत्री को भी स्थान दिया गया, जिसे संतुलन और सामाजिक प्रतिनिधित्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हरियाणा, राजस्थान, मेघालय, यूपी, गुजरात, नागालैंड, - डिशा, दिल्ली सहित कई रा यों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी ने इस आयोजन को राष्ट्रीय शतर पर विशेष महत्व दिया। स्पष्ट है कि भाजपा-जदयू गठबंधन न केवल बिहार को लेकर, बल्कि आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीतिक प्रबंधन के लिए भी नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। नई सरकार के गठन के बाद बिहार के सामने बड़ी चुनौतियां भी हैं।

आर्थिक संतुलन जरूरी है। आय और खर्च को संतुलित करने की कठिन चुनौती भी मुह फाड़े खड़ी है। बिहार लंबे समय से आर्थिक रूप से पिछड़े रा यों में गिना जाता रहा है। रा य का राजस्व संग्रह कम, केंद्र पर निर्भरता अधिक और कल्याणकारी योजनाओं पर भारी खर्च इसकी आर्थिक संरचना को अस्थिर बनाता है। नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है।

जिसमें आय के नए स्रोत बनाना, निवेश आकर्षित करनाऔरऔ ोगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना महत्वपूर्ण होगा। बिहार की सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि यहां उ ोग-धंधों की कमी के कारण राजस्व का मजबूत आधार नहीं बन पाया। नई सरकार को डोमेस्टिक और ग्लोबल निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए प्रशासनिक सुधार, भूमि सुधार और तेज मंजूरी प्रणाली बनानी होगी।

शिक्षा और स्वास् य सुधार में भी सरकार को ध्यान देना होगा। बिहार की युवा आबादी बड़ी है, लेकिन शिक्षा व्यवस्था की कमिया और स्वास् य अधोसंरचना की खामिया अब भी चुनौती बनी हुई हैं। नीतीश कुमार की सरकार ने वष में कई सुधार किए, लेकिन अपेक्षाओं के हिसाब से अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

नई सरकार को शिक्षकों की कमी दूर करनी होगी। स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं बेहतर करनी होंगी। जबकि विश्ववि ालयों में शोध और तकनीकी शिक्षा पर जोर देना होगा। जिला अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या और सुविधाओं को बढ़ाना होगा।

कानून-व्यवस्था हमेशा से बिहार के लिए एक निर्णायक राजनीतिक मु ा रहा है। हाल के वर्षों में सुधार के दावे हुए, लेकिन अब भी अपराध, भूमि विवाद, अवैध शराब कारोबार और सामुदायिक तनाव की घटनाएं सामने आती रहती हैं। नीतीश-भाजपा सरकार के सामने ल य बड़ा है। पुलिस आधुनिकीकरण, अपराध नियंत्रण में तकनीकी उपयोगऔर तेज न्याय प्रणाली के साथ प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ानी होगी।

बिहार में सड़कों, पुलों और ग्रामीण कनेक्टिविटी में पिछले दो दशकों में काफी काम हुआ है, लेकिन औ ोगिक गलियारों, बड़े हाईवे नेटवर्क, बिजली वितरण और जल प्रबंधन की दिशा में अभी भी बड़े निवेश की जरूरत है। नई सरकार को केंद्र के साथ मिलकर इन क्षेत्रों में ते ी लानी होगी, ताकि रोजगार और औ ोगिक विकास दोनों को गति मिल सके।

नीतीश की वापसी से बिहार को क्या राजनीतिक लाभ? नीतीश कुमार का राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक क्षमता बिहार के लिए एक संतुलनकारी भूमिका निभाती रही है। भाजपा और जदयू का तालमेल फिर मजबूत हुआ है, जो रा य में स्थिरता का संकेत देता है। निर्णय लेने की गति बढ़ेगी तो आधारभूत योजनाओं की निरंतरता बनाए रखता है।

अब केंद्र और रा य की एक जैसी विचारधारा वाली सरकार के कारण केंद्र से मिलने वाली सहायता बढ़ेगी। बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को तेजी मिलेगी। निवेशकों का भरोसा और मजबूत होगा। यह तालमेल आने वाले वर्षों में बिहार को आर्थिक मजबूती की दिशा में आगे ले जा सकता है।

बिहार के चुनाव का 2026 के पाँच राज्यों पर असर

बिहार में भाजपा-जदयू गठबंधन की बड़ी जीत ने राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा के लिए एक मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक बढ़त पैदा की है। 202प्र में होने वाले पाच प्रमुख रा यों असम, केरल, तमिलनाड, पश्चिम बंगाल और एक केंद्रशासित प्रदेश के चुनाव पर इसके स्पष्ट प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

असम में भाजपा की स्थिति और मजबूत होगी। बिहार की जीत से पूर्वोत्तर में भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ेगा। असम में भाजपा पहले से मजबूत है, लेकिन गठबंधन समीकरण और बेहतर अभियान के लिए इसके मनोवैज्ञानिक फायदे होंगे।

पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिए प्रेरक परिणामदेखने को मिल सकते है। पश्चिम बंगाल भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण रा य है। बिहार की जीत से भाजपा को यह संदेश मिलेगा कि पूर्वी भारत में जनाधार तेजी से बढ़ रहा है।

इससे बंगाल में कडर सक्रिय होंगे। हिंदुत्व व विकास दोनों मु ों पर नई रणनीति बनेगी। नेतृत्व को मजबूती मिलेगी।

तमिलनाड और केरल में नए अवसर दिखाई देंगे। भले ही दक्षिण भारत भाजपा के लिए कठिन क्षेत्र रहा है, लेकिन बिहार जैसी जीतें पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश भरती हैं। इससे दक्षिण भारत में संगठन का विश्तार होगा। स्थानीय सहयोगियों की खोजऔर नए मु ों के साथ चुनावी रणनीति सुगठित हो सकती है। राष्ट्रीय शतर पर विपक्ष का मनोबल कमजोर हुआ है। जिसका सीधा फायदा एनडीए को मिलेगा।

बिहार में विपक्ष की हार का देशव्यापी प्रभाव होगा। इससे विपक्ष की एकजुटता कमजोर होगी। क्षेत्रीय दलों का आत्मविश्वास डगमगाएगा। भाजपा राष्ट्रीय शतर पर और सशक्त स्थिति में आएगी। 202प्र के चुनावों में भाजपा का जनाधार बढ़ने की संभावनाएँ।

बिहार की जीत भाजपा को एक बड़ी कथा देती है। स्थिरता, सुशासन, विकास और अनुभव का गठजोड़। यह कथा 202प्र के चुनावों में भाजपा के लिए उपयोगी होगी। साथ ही मोदी-शाह नेतृत्व का अभियान केंद्र-रा य सहयोग मॉडलऔर नई आर्थिक और सामाजिक योजनाएं फलीभूत होंगी।

इन रा यों में भाजपा के जनाधार को विस्तार दे सकते हैं। उम्मीदें, चुनौतिया और भविष्य का बिहार पर नजरें गाढ़े हुए है। नीतीश कुमार का दसवीं बार मुख्यमंत्री बनना केवल किसी एक नेता की उपलब्धि नहीं है, बल्कि बिहार की राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक भी है।

भाजपा-जदयू गठबंधन की यह जीत बिहार के लिए विकास, स्थिर राजनीतिक वातावरण और मजबूत प्रशासन का संकेत देती है। लेकिन इसके साथ ही आर्थिक संतुलन, रोजगार, शिक्षा सुधार, स्वास् य क्षेत्र और कानून-व्यवस्था जैसी बड़ी चुनौतियों को भी गंभीरता से सुल ाना होगा।

बिहार का यह चुनाव परिणाम अब केवल रा य की राजनीति तक सीमित नहीं है। यह 202प्र के बड़े चुनावों के लिए भाजपा के लिए ऊर्जा का स्रोत बनेगा और कई रा यों में नए समीकरणों को जन्म देगा।

बिहार की नई सरकार के सामने अब अवसर भी बड़ा है और जिम्मेदारी भी। अगर सरकार अर्थव्यवस्था, रोजगार, निवेश और सुशासन पर तेजी से काम करती है, तो आने वाले वर्षों में बिहार न केवल राजनीतिक रूप से बल्कि विकास के मामले में भी देश के अग्रणी रा यों में शामिल हो सकता है। विकास पर ध्यान देना होगा।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

विकलांगों के लिए पिटारा खोलेंगे पाशा, तीन दिसम्बर को कलेक्ट्रेट में रजिस्ट्रेशन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा हर साल की तरह इस बार भी विकलांगों, विधवाओं, बुजुर्गों एवं गरीबों के लिए मदद का पिटारा खोलने जा रहे है।

एसोसिएशन के द्वारा शी ही ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, बैशाखी, सिलाई मशीन एवं व्हील चेयर का वितरण किया जाएगा। एसोसिएशन के द्वारा इस संबंध में विशाल शिविर 'का आयोजन किया जाएगा। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने बताया कि इसके लिए तीन दिसम्बर को कलेक्ट्रेट में रजिस्ट्रेशन कराए जाएंगे। उन्होंने सभी जरूरतमंदों का आह्वान करते हुए कहा कि वह निर्धारित तिथि को रजिस्ट्रेशन शिविर में पहुंच कर अपना नाम जरूर दर्ज करा दें। ताकि एसोसिएशन के द्वारा लगाए जाने वाले शिविर में उन्हें जरूरी सामग्री मिल सके।

दूसरी तरफ श्री पाशा ने कहा कि वर्तमान में विकलांगों व गरीबों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं हो रहा है। अधिकारियों व व अन्य जिम्मेदारों के द्वारा उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ग को सहानुभूति एवं मदद की खास जरूरत है। लेकिन यह वर्ग उपेक्षा का शिकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को अपना नजरिया बदलना चाहिए। उन्होंने कहा कि न तो विकलांगों व गरीबों को समुचित पेंशन मिल रही है और न ही उन्हें सरकार के द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है।

उन्होंने कहा कि विकलांगों व गरीबों को प्रतिमाह कम से कम 5 हजार रुपए की पेंशन मिलनी चाहिए। ताकि वह अपनी जरूरतों को पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में विकलांगों वा गरीबों की सुनवाई नहीं हो पाती है। उन्होंने कहा कि विकास भवन में डूडा का कार्यालय तीसरी मंजिल पर है।॥ वहां पर विकलांग नहीं पहुंच पाते है। जिससे विकलांगों को डूडा की। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। इसी तरह अन्य सरकारी विभागों के कार्यालय भी विकलांगों की पहुंच से दूर है।

प्रदेश में आंशिक शीतलहर का असर खत्म

● मौसम में धुंध और कोहरे की चेतावनी; पूर्वानुमान हुए जारी

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बीते दो दिनों से चल रही पुरवाई से मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिला है। बृहस्पतिवार को कई इलाकों में दिन की धूप में तपिश गायब रही और दोपहर बाद धुंध का असर रहा। रात में शीतलहर से निजात रही लेकिन सुबह के वक्त पूर्वांचल और अवध के कुछ क्षेत्रों में कोहरे की चादर देखने को मिली। कोहरे के असर से अमेठी में तड़के सुबह दृश्यता 300 मीटर तक सिमट गई। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल तीन दिनों तक दिन व रात के पारे में कोई खास बदलाव के आसार नहीं है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि उत्तर प्रदेश में अगले तीन दिनों तक मौसम में फिलहाल ठहराव के संकेत हैं। इसके बाद प्रदेश में दोबारा पछुआ हवाओं का दौर शुरू होगा। साथ ही यहां के मौसम में दोबारा बदलाव की संभावना बनेगी।

खिली धूप में चली पुरवाई, शाम ढलते ही छाई धुंध- राजधानी में बृहस्पतिवार को पूरे दिन पूर्वा हवाएं चलीं। दिन में अच्छी धूप भी खिली रही। शाम ढलने के साथ ही हल्की धुंध का असर दिखाई दिया। मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन दिन पूर्वा हवाओं के असर से सुबह और देर शाम हल्के कोहरे व धुंध का असर दिखाई देगा। दिन में छिटपुट बादल भी नजर आ सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिन तक दिन व रात के तापमान में कोई खास बदलाव के संकेत नहीं हैं। 23 नवंबर से प्रदेश में दोबारा पछुआ हवाओं का दौर शुरू होने के संकेत हैं। पछुआ के प्रभावी होने से मौसम में दोबारा बदलाव की संभावना बनेगी। ठंड और गलन में भी इजाफा हो सकता है।

राजधानी में बृहस्पतिवार को दिन का अधिकतम तापमान 0.1 डिग्री की मामूली बढ़त के साथ 27.8 डिग्री सेल्सियस और बीती रात का न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री की बढ़त के साथ 14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

लखनऊ की हवा का हाल

बृहस्पतिवार को लखनऊ का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 192 रहा। गोमतीनगर, तालकटोरा और अलीगंज में वायु गुणवत्ता सूचकांक क्रमशः 201, 222 और 230 अंक के साथ ऑरेंज श्रेणी में रहा, जो हवा की सेहत के हिसाब से खराब है। बाकी तीन इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक पीली श्रेणी में रहा।

नौसिखिए कर रहे अल्ट्रासाउंड

कमर में दर्द पर किडनी में पथरी की दे दी रिपोर्ट; इलाज प्रभावित

बलिया , एजेंसी। बिहार से सटे बैरिया तहसील में दो सीएचसी व 10 स्वास्थ्य केंद्रों पर तहसील क्षेत्र के चार लाख लोगों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी है। उसके बावजूद किसी भी सरकारी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा नहीं है। जबकि अस्पतालों के इर्द-गिर्द 21 से अधिक अल्ट्रासाउंड जांच केंद्र संचालित हो रहे हैं। विभाग में दो का पंजीयन है। अधिकतर अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं। सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर अप्रशिक्षित कर्मचारी मरीजों की जांच करते हैं। अल्ट्रासाउंड केंद्र रोगियों को जांच करने के बाद रिपोर्ट बिना सोनोलॉजिस्ट व रेडियोलॉजिस्ट के हस्ताक्षर के देते हैं। कमर दर्द के मरीज को किडनी की शिकायत की रिपोर्ट थमा दे रहे हैं। स्वास्थ्य विभागीय की मिलीभगत कहे या लापरवाही जिम्मेदार सबकुछ देखने व जानने के बाद भी कार्रवाई नहीं करते हैं। यहीं कारण है कि क्षेत्र में मानक को दर किनार कर अल्ट्रासाउंड केंद्र धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं।

मरीजों-तीमारादों को परेशानी

पीसी–पीएनडीटी एक्ट के तहत अल्ट्रासाउंड सेंटर्स पर सख्त नियम हैं। हर रिपोर्ट पर रेडियोलॉजिस्ट या सोनोलाजिस्ट का नाम, पंजीयन संख्या, हस्ताक्षर और तारीख अनिवार्य है। लेकिन बैरिया तहसील के अधिकांश सेंटर्स इन नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। किसी भी सेंटरों पर चिकित्सक व टेक्नीशियन नहीं हैं। सिर्फ फर्जी कागज से सेंटर खोल कर संचालक सेंटर चला रहे हैं।

बैरिया कस्बा व रानीगंज में कई अल्ट्रासाउंड वाले अधिक पैसा लेकर लिंग की भी जांच खुलेआम करते हैं। सोनोलॉजिस्ट न होने के कारण गलत रिपोर्ट के कारण मरीज के इलाज प्रभावित होता है। कुछ सेंटर मरीजों को सादे कागज पर प्रिंट की गई अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट थमा दे रहे हैं। इसको लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

पोस्टर प्रतियोगिता व कविता पाठ में दिखाई प्रतिभा

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ। खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज में अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिता का बृहस्पतिवार को आगाज हुआ। रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, फेस पेंटिंग, सोलो सॉन्ग और कविता पाठ हुआ। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अंशु केडिया ने बताया कि दो दिवसीय प्रतियोगिताओं का परिणाम शुक्रवार को घोषित किया जाएगा। मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक बाजपेई ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिताओं में नवयुग महाविद्यालय, गुरु नानक डिग्री कॉलेज, कालीचरण डिग्री कॉलेज, अटल बिहारी बाजपेयी डिग्री कॉलेज, जय नारायण पीजी कॉलेज, आईटी कॉलेज, करामत डिग्री कॉलेज के विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। मौके पर राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री मौजूद रहे।

दिल्ली धमाके की जांच में सहारनपुर पर फोकस

लखनऊ, एजेंसी। जैश-ए-मोहम्मद के फरीदाबाद माड्यूल द्वारा दिल्ली में आतंकी घटना अंजाम देने के बाद जांच के केंद्र में सहारनपुर आ रहा है। खासकर सहारनपुर का देवबंद तमाम आतंकी संगठनों के स्लीपिंग माड्यूल्स की पनाहगाह रहा है। इनमें आतंकी मसूद अजहर का संगठन जैश-ए-मोहम्मद भी शामिल है। मसूद वर्ष 1994 में देवबंद आ चुका है। अब ऑपरेशन सिंदूर में अपने करीबी परिजनों को खोने के बाद जैश के इस व्हाइट कॉलर माड्यूल की जड़ें देवबंद में भी तलाशी जा रही हैं। मसूद के देवबंद आने के बाद से पश्चिमी उप्र के इस जिले में जैश-ए-मोहम्मद की गतिविधियों में इजाफा होता चला गया। वर्ष 1994 में जैश के आतंकियों ने हापुड़ से तीन विदेशियों का अपहरण किया था ताकि जेल में बंद आतंकियों को रिहा कराया जा सके।

आतंकियों का यूपी पुलिस से लखनऊ में आमना-सामना हुआ- वर्ष 2001 में पहली बार जैश के आतंकियों का यूपी पुलिस से लखनऊ में आमना-सामना हुआ। बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में यूपी आए जैश के तीन आतंकियों सलीम उर्फ बाबर, राशिद उर्फ फैजान और सज्जाद उर्फ तलहा को एसटीएफ ने गोमतीनगर इलाके में एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। उनके पास से दो किलो आरडीएक्स, एक एके-47 समेत तमाम हथियार बरामद हुए थे। इसके बाद 9 मार्च 2003 को मुजफ्फरनगर में जैश के दो आतंकियों कुपवाड़ा निवासी इजाज हुसैन जान और मेराज हसन को पकड़ा गया। उनके पास से संसद भवन का नक्शा और हथियार बरामद हुए थे। इसके तीन दिन बाद एसटीएफ ने नोएडा में छिपे उनके एक साथी को एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। इसके बाद जैश के आतंकियों ने अयोध्या को निशाना बनाया और 5 जुलाई 2005 को रामजन्मभूमि परिसर में आतंकी हमले का प्रयास किया।

आतंकी हैंडग्रेनेड फेंकते हुए परिसर में घुस का प्रयास कर रहे थे

आतंकी हैंडग्रेनेड फेंकते हुए परिसर में घुसने का प्रयास करने लगे, लेकिन वहां मौजूद सीआरपीएफ के जवानों ने जवाबी फायरिंग कर 5 आतंकियों को मौके पर ही ढेर कर दिया। इस घटना में शामिल सहारनपुर निवासी डॉ. इरफान, जम्मू निवासी आसिफ इकबाल उर्फ फारुख, शकील अहमद, पुंछ निवासी मोहम्मद नसीम और मोहम्मद जीम को दबोच लिया गया। वहीं फरवरी, 2019 में एटीएस ने देवबंद के खानकाह मोहल्ला स्थित नाज मंजिल छात्रावास से जैश से जुड़े दो कश्मीरी युवकों शाहनवाज अहमद तेली और आकिब मलिक को गिरफ्तार किया था। दोनों देवंबद में रहकर जैश के लिए युवाओं की भर्ती कर रहे थे। इनमें शाहनवाज बम बनाने में एक्सपर्ट था और सीधे मसूद अजहर के संपर्क में रहता था। इस मामले की जांच एनआईए को दी गई थी, जिसके बाद बीते वर्ष दोनों को सात वर्ष की सजा सुनाई गई थी।

मस्जिद में रुका था अजहर

बता दें कि मसूद अजहर सहारनपुर आने के बाद देवबंद के नामचीन शिक्षक संस्थान दारुल उलूम और कासमी कब्रिस्तान भी गया था। उसके साथ दो कश्मीरी आतंकी भी आए थे और तीनों एक मस्जिद में रुके थे। हालांकि कुछ दिन बाद उसे सेना ने श्रीनगर से गिरफ्तार कर लिया था। 24 दिसंबर 1999 को विमान को हाईजैक करने के बाद कंधार ले जाने पर मसूद अजहर समेत कई आतंकियों को रिहा करना पड़ा था।

निर्लज्जता की हद पार: पत्नी को खुद ही दोस्तों के साथ बिस्तर पर परोसा, वीडियो भी किया शूट; विरोध पर की क्रूरता

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में महिला ने पति पर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर अपने दोस्तों के साथ अनैतिक कार्य करवाने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि दहेज के लिए पति उसे पीटता है।

विरोध करने पर निजी तस्वीरें वायरल करने की धमकी देता है। तहरीर के आधार पर पति और उसके दोस्तों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मामला वजीरगंज थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने बताया कि 14 अक्तूबर 2022 को उनका निकाह हरदोई रोड पर अंधे की चौकी के पास रहने वाले व्यापारी से हुआ था। आरोप है कि निकाह के कुछ दिन बाद ही पति उन पर अतिरिक्त दहेज के लिए दबाव बनाने लगा। विरोध पर शराब पीकर आए दिन उन्हें पीटता और भूखा रखता था।

विरोध पर पति ने बुरी तरह पीटा

एक दिन पति घर पहुंचा और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उन्हें पिला दिया। बेहोश होने पर पति के दोस्तों ने उनके साथ अनैतिक कार्य किया। अश्लील वीडियो और फोटो भी बनाई। होश में आने पर पीड़िता ने विरोध किया तो पति ने बुरी तरह पीटा।

ज्ञान परंपरा

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह के तहत बृहस्पतिवार को शैक्षणिक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन हुआ। डॉ. मंडवी त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का आधार वैज्ञानिक है। डॉ. सतीश चंद्र ने रस सूत्र व मनोभाव पर बात रखी। दोनों वक्ताओं ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक आधारशिला, भारतीय गणित की प्राचीन उपलब्धियों और रस सिद्धांत के मनोवैज्ञानिक आयामों पर रोचक ढंग से अपनी बात रखी।विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ला ने संवाद को जीवन विकास का आधार बताया। मौके पर प्रो. एसए रिजवी, प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज, प्रतीक मिश्र आदि मौजूद रहे।

तलाक, गुजारा भत्ता और बच्चों की कस्टडी: पति-पत्नी के झगड़े, फिर कोर्ट कचहरी

टूटने की कगार पर 10 हजार शादियां

आगरा , एजेंसी। पति पत्नी के बीच पारिवारिक विवाद तेजी से बढ़ रहे हैं। छोटी-छोटी बातों पर शुरू हुए झगड़े अब सीधे अदालत की चौखट तक पहुंच रहे हैं।

दीवानी स्थित परिवार न्यायालय में पिछले 6 वर्षों में 30 हजार से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए हैं। कुछ दिन पहले हाईकोर्ट ने भी इस पर चिंता जताई थी। प्रदेश में लंबित मुकदमों की जानकारी मांगी थी। पारिवारिक न्यायालयों में इस समय करीब 10 हजार से अधिक मुकदमों की सुनवाई चल रही है।

इनमें तलाक, गुजारा भत्ता, बच्चों की कस्टडी व संरक्षण से जुड़े विवाद ज्यादा हैं। माता-पिता ने अपने बच्चों से गुजारा भत्ते की मांग को लेकर भी अदालत का रुख अपनाया है।

पुलिस भी केस दर्ज करने से पहले परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कराती है। अगर काउंसलिंग न कराई जाए तो संख्या और बढ़ जाएगी।

मंत्री के सामने बच्चों ने गाए गीत

सरोजनीनगर , एजेंसी। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री बेबी रानी मौर्या ने बृहस्पतिवार को रामचौरा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। केंद्र में संचालित गतिविधियों और बच्चों व माताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान बच्चों ने गीत, खेल व निशानेबाजी जैसे कार्यक्रम प्रस्तुत किए। तीन बच्चों को विदाई प्रमाणपत्र दिए गए। महिलाओं और बच्चों की समस्याएं सुनने के साथ समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने गोद भराई और अन्नप्राशन की औपचारिकताएं पूरी कीं। लाभार्थियों को हॉट कुक मील वितरित किया गया।

नन्हे सितारों से चमका मंच, मिला सम्मान

लखनऊ , एजेंसी। बच्चे किसी भी समाज की सबसे निर्मल रोशनी होते हैं। उनकी मुस्कान, उनकी ऊर्जा और उनका जज्बा हर अंधेरे को मिटाने की क्षमता रखता है। इसी उजली ताकत का शानदार नजारा तब देखने को मिला जब बाल गृहों के बच्चों ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता 'तरंग' में अपनी रचनात्मकता की रोशनी बिखेरी और हर किसी का मन मोह लिया।

दस दिवसीय जिलास्तरीय बाल प्रतियोगिता के समापन पर गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में बृहस्पतिवार को आयोजित इस भव्य सम्मान समारोह में बच्चों के संघर्ष, कला और उमंग को सलाम किया गया। महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने बच्चों की हौसलाअफजाई करते हुए कहा कि हर बच्चा एक चमकता सितारा है। बस जरूरत है उसकी रोशनी को पहचानने और निखारने की। कार्यक्रम में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

यूनिसेफ के सहयोग से हुई इस दो-दिवसीय राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में लोक नृत्य, गायन, पेंटिंग, कहानी-वाचन, खेल कौशल सहित कई विधाओं में बच्चों ने दमदार प्रदर्शन किया। लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर, वाराणसी, शाजहांपुर, ललितपुर, मथुरा, देवरिया और फिरोजाबाद के 90 बच्चों को सम्मानित किया गया। इस दौरान अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी, निदेशक संदीप कौर और यूनिसेफ चीफ जकारी एडम सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

परिसर में लगी बच्चों की प्रदर्शनी ने उपस्थित सभी लोगों को चकित कर दिया। टूटे-फूटे सामान से बनाई गई उपयोगी और आकर्षक वस्तुओं ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर संदेश दिया। बेबी रानी मौर्य और प्रतिभा शुक्ला ने प्रत्येक कृति को ध्यान से देखकर बच्चों की प्रतिभा की खुलकर प्रशंसा की। कानपुर के स्वरूपनगर स्थित राजकीय बालगृह बालिका यूनिट की प्रदर्शनी ने दर्शकों का विशेष ध्यान खींचा। बालगृह की शिक्षिका सुमन वर्मा ने बताया कि बच्चों को आसानी से देश के स्वतंत्रता सेनानियों का नाम याद कराने के लिए टीवी की तरह बायस्कोप बनाया।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025: भारत ने नौ स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। भारत ने मुक्केबाजी के ग्लोबल स्टेज पर अपना अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन किया। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025' के ऐतिहासिक आखिरी दिन भारतीय खिलाड़ियों ने घरेलू दर्शकों के सामने नौ स्वर्ण पदक जीते। ओलंपिक-क्लास के खास डिवीजनों में अपना दबदबा दिखाते हुए, भारत की महिलाओं ने ऐतिहासिक जीत के साथ बढ़त बनाई, जबकि पुरुषों के सेक्शन में दो स्वर्ण पदक मेजबान देश के लिए एक अहम मील के पत्थर बन गए। भारत ने इस अभियान को नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक के साथ खत्म किया, जिसमें हिस्सा लेने वाले 20 मुक्केबाजों में से हर एक ने पोडियम पर जगह बनाई। अंतिम दिन भारत की महिलाओं के नाम रहा। दोपहर के सेशन में मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और नूपुर (80 प?लस किग्रा) के साथ एक-एक स्वर्ण पदक जीता। इसी तरह शाम के सेशन में निखत जरीन (51 किग्रा), जैस्मिन लैम्बोरिया (57 किग्रा) और परवीन (60 किग्रा), सभी पोडियम पर टॉप पर पहुंचीं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक्स में सभी वेट कैटेगरी में जेंडर पैरिटी लाने की तैयारी है। ऐसे में आखिरी दिन भारतीय महिलाओं के दबदबे ने वर्ल्ड बॉक्सिंग में देश के बढ़ते रुतबे को और दिखाया। शाम की हाइलाइट वर्ल्ड चैंपियन जैस्मिन लैम्बोरिया रहीं। लैम्बोरिया ने एक ब्लॉकबस्टर फाइनल में पेरिस ओलंपिक पदक विजेता वू शिह यी को 4:1 से हराकर सबको चौंका दिया। उन्होंने संयम के साथ लड़ते हुए शुरू में ही शानदार कॉम्बिनेशन से अपनी लय बनाए रखी और बाद में दबाव को शांति से झेलते हुए इस इवेंट में भारत की सबसे बड़ी जीत हासिल की। ??दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निकहत जरीन ने चीनी ताइपे की गुओ यी जुआन को शानदार सटीकता और रिंग कंट्रोल से 5:0 से हराया, जबकि परवीन ने जापान की अयाका तागुची को तेज काउंटर और बेहतर मूवमेंट से 3:2 से हराया।

दिन की शुरुआत में, मीनाक्षी ने मौजूदा एशियन चैंपियन फरजोना फोजिलोवा पर 5:0 की शानदार जीत के साथ मेडल की दौड़ शुरू की। उन्होंने तेज रफ्तार, एकदम सटीक और मजबूत डिफेंस दिखाया। इसमें एक शानदार लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन भी शामिल था, जिसने राउंड 1 से ही माहौल बना दिया था। प्रीति ने इसके बाद एक और जबरदस्त 5:0 की जीत हासिल की। उन्होंने लगातार दबाव और क्लीन स्कोरिंग मुक्कों से इटली की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट सिरीन चर्राबी को हराया।

अरुंधति चौधरी ने 18 महीने बाद शानदार वापसी करते हुए उज्?बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा को 5:0 से हराया। उन्होंने सटीक जैब, अनुशासित डिफेंस और पूरे टैक्टिकल कंट्रोल की मदद से यह जीत हासिल की। ??नूपुर ने उज्?बेकिस्तान की सोटिम्बोएवा ओल्टिनोय को 3:2 से हराकर फाइनल राउंड में शानदार शॉट लगाकर अपना पहला वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स टाइटल जीता।

भारत के पुरुषों ने अपने घरेलू अभियान में दो और स्वर्ण पदक जीते। सचिन (60 किग्रा) ने किर्गिस्तान के मुनारबेक उलु सेइतबेक को 5:0 से हराया। इस दौरान उन्होंने एक्यूरेसी, मोमेंटम कंट्रोल और क्लीन पंचिंग का मिक्सचर दिखाया। फाइनल्स की सबसे शानदार जीत हितेश (70 किग्रा) की रही, जिन्होंने शुरुआती पिछड़ने के बाद कजाकिस्तान के नूरबेक मुर्सल को 3:2 से हराकर रोमांचक मुकाबले में जगह बनाई। राउंड 2 और 3 में जबरदस्त काउंटर और शांत फिनिश के साथ वापसी की।

भारत ने जदुमणि सिंह (50 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) और अंकुश फंगल (80 किग्रा) के जरिए छह सिल्वर मेडल जीते। इन सभी ने वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के इतिहास में अब तक के सबसे मजबूत ग्रुप में शानदार प्रदर्शन किया। नरेंद्र बेरवाल (90+ किग्रा) ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन उज्?बेकिस्तान के ताकतवर खलीमजोन मामासोलिएव से 5:0 से हारकर रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। वहीं, पूजा रानी महिलाओं के 80 किग्रा फाइनल में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप मेडलिस्ट अगाता कज्मार्स्का से हार गईं।

भारत के ऐतिहासिक स्वर्ण पदकों के अलावा, बाकी फाइनल में कई ग्लोबल पावरहाउस ने शानदार प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री ने महिलाओं के 75 किग्रा के फाइनल में इटली की मेलिसा जेमिनी पर 5:0 से जबरदस्त जीत हासिल करके सबको प्रभावित किया। वहीं, चीनी ताइपे की ओलंपिक मेडलिस्ट चेन निएन-चिन ने महिलाओं के 65 किग्रा डिवीजन में 4:1 से शानदार जीत हासिल की।

उज्बेकिस्तान ने कई डिवीजनों में अपना दबदबा बनाया। इसमें असिलबेक जलीलोव (50 किग्रा), समंदर ओलिमोव (55 किग्रा), जावोखिर अब्दुरखिमोव (75 किग्रा) और मामासोलिएव (90+ किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। इंग्लैंड ने दो चैंपियन बनाए। इसमें शिट्टू ओलादिमेजी ने 80 किग्रा में अंकुश को हराया, और इसाक ओकोह ने 90 किग्रा का ताज हासिल किया। जबकि जापान के शियोन निशियामा ने पुरुषों के 65 किग्रा फाइनल में 4:1 से जीत हासिल की और कजाकिस्तान के सुल्तानबेक ऐबारुली ने 85 किग्रा पुरुषों के वर्ग में टॉप किया।

एशेज:

स्टार्क के बाद स्टोक्स का 'पंजा', पहले ही दिन गिरे 19 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज 2025-26 की शुरुआत बेहद रोमांचक रही। मुकाबले के पहले ही दिन 19 विकेट गिरे। इंग्लैंड को 172 रन पर समेटने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने महज 123 रन तक अपने 9 विकेट गंवा दिए हैं। फिलहाल मेजबान टीम इंग्लैंड से 49 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने सात विकेट हासिल किए, जिसके बाद 5 विकेट के साथ इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने करारा जवाब दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम इस तेज पिच पर महज 32.5 ओवरों का ही सामना कर सकी। मेहमान टीम ने पहली पारी में सिर्फ 172 रन बनाए। इस टीम को छठी गेंद पर जैक क्रॉली (0) के रूप में बड़ा झटका लगा। उस समय तक इंग्लैंड का खाता भी नहीं खुल सका था। इसके बाद टीम ने 39 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए। यहां से ओली पोप ने हैरी ब्रूक के साथ चौथे विकेट के लिए 67 गेंदों में 55 रन की पारी खेली। पोप 46 रन बनाकर आउट हुए। ब्रूक ने बेन स्टोक्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 21 रन जुटाए, जबकि जेमी स्मिथ के साथ 45 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड की इस पारी में हैरी ब्रूक अर्धशतक लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे। उन्होंने 61 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 52 रन की पारी खेली, जबकि जेमी स्मिथ ने टीम के खाते में 33 रन जोड़े। मेजबान टीम की ओर से मिचेल स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रेंडन डोगेट ने 2 विकेट अपने नाम किए। शेष एक विकेट कैमरून ग्रीन ने निकाला।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दिन की समाप्ति तक 39 ओवरों में 9 विकेट खोकर 123 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से ऑस्ट्रेलिया ने भी खाता खुलने से पहले ही सलामी बल्लेबाज का विकेट गंवा दिया था। डेब्यूटेंट जैक वेदरलैंड शून्य पर पवेलियन लौटे। कप्तान स्टीव स्मिथ ने मार्नस लाबुशेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 रन की साझेदारी की। लाबुशेन महज 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद टीम ने 31 के स्कोर तक 4 विकेट गंवा दिए। यहां से ट्रेविस हेड ने कैमरून ग्रीन के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की। हेड टीम के खाते में 21 रन जोड़कर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पहली पारी में एलेक्स कैरी ने सर्वाधिक 26 रन बनाए, जबकि कैमरून ग्रीन ने 24 रन जुटाए। दिन की समाप्ति तक नाथन लियोन (3) और ब्रेंडन डोगेट (0) अंतिम जोड़ी के रूप में नाबाद रहे।

भारत-साउथ अफ्रीका दूसरा टेस्ट आज से गुवाहाटी में

- टीम इंडिया पर क्लीन स्वीप होने का खतरा
- नीतीश रेड्डी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट की सीरीज का दूसरा मुकाबला आज से गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच सुबह 9:00 बजे शुरू होगा, टॉस 8:30 बजे होगा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल का इस मैच में खेलना मुश्किल है। ऐसे में नीतीश रेड्डी को मौका मिल सकता है।

भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हैं। साउथ अफ्रीका ने पहला मैच 30 रन से जीता था। पहले टेस्ट में हार के बाद मेजबान भारत पर क्लीन स्वीप होने का खतरा मंडरा रहा है। इस मैदान पर पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा, ऐसे में पिच और परिस्थितियों को देखते हुए प्लेइंग इलेवन का सिलेक्शन भी अहम रहने वाला है। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे थे। शुरुआती ओवर्स में पेसर्स और बाद में स्पिनर्स के सामने बल्लेबाज लगातार दबाव में दिखाई दिए।

गिल के खेलने पर संशय

भारतीय कप्तान शुभमन गिल कोलकाता टेस्ट में गर्दन में ऐंठन की वजह से पहली पारी सिर्फ तीन गेंदें खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुकाबले के तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। गिल के दूसरे टेस्ट में भी खेलने पर संशय बना हुआ है।

शुभमन गिल की जगह बल्लेबाजी कर सकते हैं ध्रुव जुरेलः सीतांशु कोटक

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने गुवाहाटी में शनिवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले कप्तान शुभमन गिल की रिकवरी पर अपडेट दिया है। कोटक ने कहा कि गिल तेजी से रिकवर कर रहे हैं। कोटक ने कहा, 'वह निश्चित रूप से ठीक हो रहे हैं।

मैं उनसे कल मिला था। फिजियो और डॉक्टरों को यह तय करना है कि अगर वह पूरी तरह से ठीक भी हो जाते हैं, तो मैच के दौरान ऐंठन दोबारा होने की संभावना है या नहीं। यह बहुत जरूरी है। अगर कोई भी संशय है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे। एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में शुभमन की कमी टीम को खलेगी।' उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में गहराई है। अगर गिल दूसरे टेस्ट में नहीं खेलते हैं, तो हमारे पास उनकी जगह लेने के लिए अच्छे खिलाड़ी हैं। हो सकता है गिल की जगह खेलने वाला गुवाहाटी में शतक लगा दे।'

बल्लेबाजी कोच ने संकेत दिया कि अगर गिल दूसरे टेस्ट में नहीं खेलते हैं, तो उनकी जगह ध्रुव जुरेल चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

आईजीपीएल:

प्रणवी ने रचा इतिहास, पुरुष खिलाड़ियों को पछाड़कर जीता आईजीपीएल खिताब

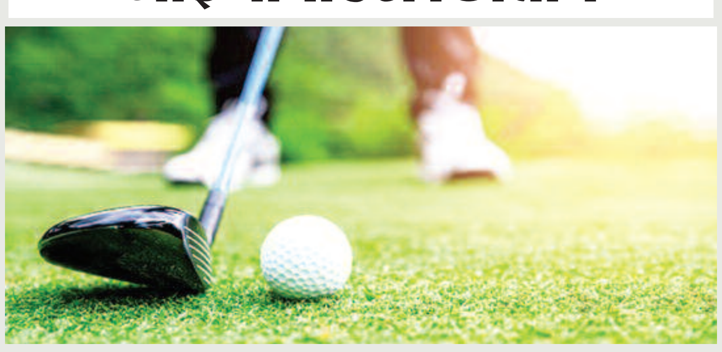

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा। प्रणवी उर्स गुरुवार को आईजीपीएल टूर में इतिहास रचते हुए पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए पेशेवर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं। प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा। कल तक शीर्ष पर चल रहे करणदीप कोच्चर अंतिम दौर में 64 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

भारत-पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप में 15 फरवरी को भिड़ेंगे

टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से; फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद में हो सकता है

दुबई, एजेंसी। अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जा सकता है। यहां पर 5 अक्टूबर को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच भी खेला गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार बीसीसीआई ने अपना प्रस्तावित शेड्यूल आईसीसी को भेज दिया है। आईसीसी जल्दी ही इसका ऐलान कर सकता है। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से हो सकती है। जबकि, फाइनल मैच 8 मार्च को खेला जा सकता है। सेमीफाइनल और फाइनल के वेन्यू का निर्धारण भारत-पाकिस्तान की स्थिति पर निर्भर करेगा। अगर पाकिस्तान की टीम फाइनल में नहीं पहुंचती है तो यह मुकाबला अहमदाबाद में होगा। पाकिस्तान के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने पर मुकाबला श्रीलंका में खेला जाएगा। आईसीसी या बीसीसीआई की ओर से शेड्यूल पर अबतक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच पर यौन शोषण का आरोप

खेल मंत्रालय ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच के पर लगे यौन शोषण के आरोपों की जांच का आदेश दिया है। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में हिस्सा लेने के लिए चिली के सैंटियागो में जाना है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 1 दिसंबर से होगी और इससे पहले ही खेल मंत्रालय ने ये कदम उठाया है।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम टीम के कोच पर लगा यौन शोषण का आरोप: भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम टीम पिछले दिनों जो विदेशी दौरे किए थे और उन दौरों में से एक के दौरान कथित गलत व्यवहार की रिपोर्ट की गई थी। ये टूर जून में अर्जेंटीना, बेल्जियम और नीदरलैंड्स और सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के थे। माना जा रहा है कि महिला टीम की एक सदस्य कई बार कोच के कमरे में जाती हुई पाई गई थी। इस मामले पर खेल मंत्रालय से जुडे एक अधिकारी ने कहा कि हम पहले जांच की रिपोर्ट का इंतजार करेंगे और फिर कोई एक्शन लिया जाएगा। हमारा डिपार्टमेंट इस तरह से मामलों को काफी गंभीरता से लेता है और अगर कोई दोषी है तो हम सख्त एक्शन लेंगे। हालांकिअभी तक न तो खेल मंत्रालय न ही भारतीय खेल प्राधिकरण और न ही भारत में फील्ड हॉकी की गवर्निंग बॉडी हॉकी इंडिया से कोई फॉर्मल शिकायत की गई है। इसके बाद यह मामला स्पोर्ट्स मिनिस्टर मनसुख मंडाविया के ध्यान में लाया गया जिन्होंने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री के एक सोर्स ने द ट्रिब्यून को बताया कि यह गंभीर मामला हमारे ध्यान में लाया गया था और इसीलिए जांच के आदेश दिए गए हैं। अभी हम जल्दबाज़ी में कुछ नहीं कहना चाहते क्योंकि हमें पहले डिटेल्स पता करनी हैं। हम रिपोर्ट का इंतजार करेंगे और फिर एक्शन लेंगे।

पलाश मुच्छल ने ऐसे जीता स्मृति मंधाना का दिल

जिस मैदान पर जीता वर्ल्ड कप, वहीं किया एक घुटने पर बैठकर प्रपोज...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना और संगीतकार पलाश मुच्छल शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। पलाश ने डीवाई पाटिल स्टेडियम में स्मृति को शादी के लिए प्रपोज किया। यह वही स्टेडियम है जहां टीम इंडिया ने महिला विश्व कप 2025 जीता था। मंधाना औ पलाश पहले भी एक दूसरे के साथ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव नजर आ चुके हैं।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किया वीडियो

यह प्रपोजल 6 दिन पहले हुआ था, लेकिन पलाश ने यह वीडियो आज, 21 नवंबर को शेयर किया। इस कपल की शादी रविवार, 23 नवंबर 2025 को होगी। स्मृति मंधाना ने महिला विश्व कप 2025 में शानदार प्रदर्शन किया था। जीत के बाद पलाश मुच्छल ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की थी, जिसमें उनके हाथ पर टैटू साफ दिख रहा था। इस टैटू में 'स्रू' का मतलब स्मृति मंधाना है और '18' उनके जन्मदिन और जर्सी नंबर को दर्शाता है।